PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 208 ● भिलाई, सोमवार 23 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सुभाष नगर इलाके में कार ने डिलीवरी बॉय को मारी टक्कर, मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के सुभाष नगर इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने डिलीवरी बॉय को कुचल दिया। बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी कार चालक को हिरासत में ले लिया है और आगे की जांच जारी है। एक चश्मदीद ने बताया कि यह घटना रात करीब 2:30 बजे हुई। पेट्रोल पंप पर काम करने वाले युवक ने बताया कि मैंने बहुत तेज आवाज सुनी और भागकर यहां आया। उन लड़कों ने शराब पी रखी थी और कार की स्पीड करीब 150 थी। उसने डिलीवरी बॉय को कुचल दिया। चश्मदीद ने बताया कि एक युवक भागने की कोशिश कर रहा था, जिसे स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। साथ काम करने वाले डिलीवरी बॉय ने बताया, रात में काले रंग की कार ने टक्कर मारी थी, जिसमें युवक की मौत हो गई। वह मेरे साथ काम करता था। हम रात में ही साथ मिलकर काम करते थे। उसने आरोप लगाए कि कार सवार युवक नशे में धुत थे और तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ा रहे थे।

तेज हवाओं के चलते एक्यूआई में सुधार, लोग ले रहे हैं राहत की सांस

नोएडा। तेज हवाओं के चलते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार दर्ज किया गया है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में प्रदूषण के स्तर में गिरावट आई है, जिससे लोगों को कुछ राहत महसूस हो रही है। हालांकि अभी भी अधिकांश स्थान 'मध्यम' से 'खराब' श्रेणी के बीच बने हुए हैं। गाजियाबाद में यूपीपीसीबी के चारों स्टेशन सक्रिय पाए गए। इंदिरापुरम का एक्यूआई 232, लोनी का 268, संजय नगर का 181 और वसुंधरा का 233 दर्ज किया गया। इनमें लोनी सबसे अधिक प्रदूषित रहा, जो 'खराब' श्रेणी के करीब पहुंच गया, जबकि संजय नगर अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में रहा। नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 199, सेक्टर-62 में 164, सेक्टर-1 में 213 और सेक्टर-116 में 194 रिकॉर्ड किया गया। सेक्टर-62 का स्तर सबसे कम रहा, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है, जबकि सेक्टर-1 में 213 का स्तर 'खराब' श्रेणी की ओर इशारा करता है। दिल्ली में भी कई मॉनिटरिंग स्टेशनों के आंकड़े सामने आए हैं।

चोरी करते पकड़े गए दो बदमाश, भीड़ ने रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटा

अजमेर। अजमेर के धोलाभाटा क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दो चोरों को रंगे हाथ चोरी करते हुए स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। गुस्साए क्षेत्रवासियों ने कानून हाथ में लेते हुए दोनों आरोपियों को रस्सी से बांध दिया और उनकी जमकर धुनाई कर दी। शनिवार को इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दुकान में घुसते ही महिला ने मचाया शोर घटना शुक्रवार दोपहर की है। धोलाभाटा राधा कृष्ण मंदिर के पास रहने वाले ललित कुमार की घर में ही जनरल स्टोर की दुकान है।

रैपिड मेट्रो रेल का किया उद्घाटन

पीएम बनना चाहते हो तो लोगों के दिल जीतो-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश की क्रांतिधरा मेरठ आज एक बार फिर ऐतिहासिक पलों की गवाह बनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां न केवल 12,930 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी, बल्कि मेरठ मेट्रो और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली-मेरठ के सफर को केवल 55 मिनटों में समेट दिया। लेकिन इस विकास उत्सव के बीच पीएम मोदी का एक अलग ही रौद्र रूप देखने को मिला, जब उन्होंने दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई समिट के दौरान कांग्रेस के प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला। एआई समिट में यूथ कांग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन पर प्रधानमंत्री ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पूरा देश गर्व से भरा था कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन कर रहा है, लेकिन कांग्रेस के बेलगाम नेताओं ने विदेशी मेहमानों के सामने गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि देश तो पहले से जानता है कि आप नंगे हो, फिर कपड़े उतारकर देश की छवि खराब करने की क्या जरूरत थी? पीएम मोदी ने कांग्रेस को वैचारिक रूप से दरिद्र बताते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन के अन्य दल जैसे टीएमसी, डीएमके या बसपा इस पाप में शामिल नहीं थे, केवल कांग्रेस ही देश को तबाह करने पर तुली है। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है तो लोगों के दिल जीतने होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

भावुक होते हुए कहा कि गांव में भी जब कोई मेहमान आता है तो पूरा गांव उसे सफल बनाने में जुट जाता है, लेकिन कांग्रेस अपने ही देश को बदनाम कर रही है। उन्होंने कहा, इन्हें मोदी से नफरत है, ये मेरी कब्र खोदना चाहते हैं, मेरी मां को गाली देने से भी इन्हें परहेज नहीं है। ये सब हम सह लेंगे, लेकिन एआई समिट भाजपा का कार्यक्रम नहीं था, वो देश के सम्मान का कार्यक्रम था। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि ऐसी हरकतों के लिए विपक्ष शब्द का इस्तेमाल न करें, क्योंकि कांग्रेस के इस रवैये से उसके साथी दल भी अब किनारा कर रहे हैं। इससे पहले मेरठ पहुंचने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीएम का स्वागत किया। रैपिड रेल की खूबियां बताते हुए कहा गया कि सराय काले खां से मोदीपुरम के बीच 13 स्टेशनों वाला यह सफर अब बेहद आसान होगा। एमएसएमई को नई ताकत : अब छोटे कारीगर और बुनकर 10 लाख से अधिक का सामान भी बिना सीमा के कोरियर से विदेश भेज सकेंगे। इससे मेरठ की कैंची, स्पोर्ट्स गुड्स और खुर्जा की क्राकरी को वैश्विक पहचान मिलेगी। चौधरी चरण सिंह का सम्मान : पीएम ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देना उनकी सरकार का सौभाग्य है।

देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से दिवालिया हो गई-मोदी

उन्होंने आगे कहा, 'समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूं कि आपको कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी। कांग्रेस के नेताओं ने वहां पर जो कुछ किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से दिवालिया हो गई है। कांग्रेस तो अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है, वे मेरी कब्र खोदना चाहते हैं, और उन्हें भाजपा और एनडीए से विरोध है। कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि एआई ग्लोबल समिट भाजपा का समारोह नहीं था। यह देश का कार्यक्रम था, देश के सम्मान का कार्यक्रम था। लेकिन, कांग्रेस ने परसों सारी मर्यादाएं तोड़ दी। आज पूरे देश में कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू हो रही है।

ममता बनर्जी को बताया असली कांग्रेस

कांग्रेस मुझे निकालने की तैयारी में है-मणिशंकर.....

नई दिल्ली। अपने बेबाक और अक्सर पार्टी की लाइन से हटकर दिए जाने वाले बयानों के लिए मशहूर वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा उनके किसी विवादित शब्द की नहीं, बल्कि उनके उस डर की है, जो उन्हें अपनी ही पार्टी के भीतर महसूस हो रहा है। कोलकाता में एक बातचीत के दौरान अय्यर ने सनसनीखेज दावा किया कि कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाने की तैयारी कर चुके हैं। मणिशंकर अय्यर ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि मैं तो खुद को कांग्रेसी समझता हूं, लेकिन

केसी वेणुगोपाल की बातों से ऐसा संकेत मिलता है कि या तो मुझे निकालने का फैसला हो चुका है या प्रक्रिया जारी है। अय्यर ने यह भी जोड़ा कि हालांकि उन्हें अब तक कोई आधिकारिक निष्कासन पत्र नहीं मिला है।

32 साल का रिश्ता और 'खून से सने कपड़ों' का दावा

32 साल बाद कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए भूपेन बोरा,राहुल गांधी पर लगाए तीखे आरोप....

असम। असम में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को अब तक का सबसे बड़ा झटका लगा है। पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने रविवार को औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 32 साल पुराने रिश्ते को तोड़ते हुए राहुल गांधी के नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाए। असम की राजनीति में रविवार को उस समय बड़ा तहलका मच गया जब असम प्रदेश कांग्रेस समिति के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। गुवाहाटी में आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, सांसद बैजयंत पांडा और राज्य मंत्री जयंत मल्ला बरुआ सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। बोरा का भाजपा में आना न केवल कांग्रेस के लिए एक संगठनात्मक क्षति है, बल्कि यह राज्य में सत्ताधारी दल की बढ़ती पकड़ को भी दर्शाता है। भाजपा में शामिल होने के तुरंत बाद भूपेन बोरा ने कांग्रेस नेतृत्व,

विशेषकर राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। भावुक होते हुए बोरा ने कहा कि उन्होंने पार्टी में 32 वर्षों तक पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ सेवा की, लेकिन अब कांग्रेस अपने मूल मूल्यों से भटक गई है। भूपेन बोरा ने एक बेहद चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा, जो कपड़े मैं आज पहन रहा हूं, वे मेरे खून से सने हैं। यह खून राहुल गांधी की उपस्थिति में लगा था। बोरा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस राष्ट्रीय गौरव और आत्म-सम्मान के मामलों में समझौता कर रही है, जिसे वे एक 'राष्ट्रवादी' होने के नाते स्वीकार नहीं कर सकते थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका यह फैसला किसी एक पल का नहीं, बल्कि गहन आत्मनिरीक्षण का परिणाम है। भूपेन बोरा के भाजपा में शामिल होने की पटकथा पहले ही लिखी जा चुकी थी। उन्होंने शुक्रवार रात को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से गुवाहाटी में मुलाकात की थी। हालांकि, बोरा ने उस समय इसे 'शिष्टाचार भेंट' बताया था, लेकिन इस मुलाकात ने उनके भविष्य के संकेत दे दिए थे। सूत्रों के अनुसार, जब बोरा ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया, तो पार्टी आलाकमान ने इसे स्वीकार नहीं किया था। यहां तक कि राहुल गांधी ने खुद उन्हें फोन कर अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था और कई वरिष्ठ नेता उनके आवास पर भी पहुंचे थे।

जेल जाएंगे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद!

पॉक्सो स्पेशल कोर्ट के आदेश पर प्रयागराज में एफआईआर...

प्रयागराज/ एजेंसी

प्रयागराज के झूंसी थाने में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ यौन शोषण के सनसनीखेज आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। एडीजे रेप एंड पॉक्सो स्पेशल कोर्ट के कड़े आदेश के बाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत यह कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। यह

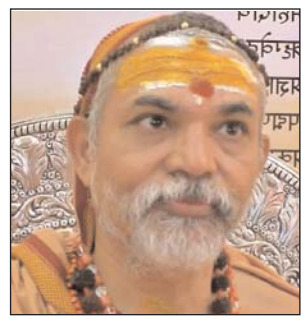

कार्रवाई एडीजे रेप एंड पॉक्सो स्पेशल कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बाद झूंसी थाना पुलिस द्वारा की गई है। अदालत ने इस मामले की सुनवाई करते हुए 21 फरवरी को आवेदक की अर्जी स्वीकार की और पुलिस को तत्काल मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। एडीजे विनोद कुमार चौरसिया के इस कड़े रुख के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। इस पूरे विवाद की जड़ में स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी की शिकायत है। शिकायतकर्ता के अनुसार, माघ मेले के दौरान एक नाबालिग और एक बालिग बच्चा उनके पास आया था, जिन्होंने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर कुकर्म के अत्यंत गंभीर आरोप लगाए थे। आशुतोष ब्रह्मचारी का आरोप है कि उन्होंने इन पीड़ितों की ओर से पहले झूंसी थाने में तहरीर दी थी।

मेहसाणा में भीषण सड़क हादसा, डिवाइडर से टकराकर पलटी कार

महेसाणा। गुजरात के मेहसाणा जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के मुताबिक, एक परिवार राजस्थान में शादी में शामिल होने के बाद ईको कार से अहमदाबाद के रामोल वापस लौट रहा था। इस दौरान ऊंझा के उनावा के पास कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसा होते ही मौके पर ही चीख-पुकार मच गई। कार के परखच्चे उड़ गए। हादसा होते ही मौके पर भीड़ लग गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

बीजेपी ने बोला हमला और छिड़ा घमासान

सैम पित्रोदा का बवाली बयान भारतीय दूसरों की सेवा के लिए

नई दिल्ली/ एजेंसी

सैम पित्रोदा के नए बयान ने कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने दूसरों की सेवा के लिए युवाओं की फौज तैयार की है। तकनीकी क्षमता पर सवाल उठाते हुए पित्रोदा ने कहा कि डेढ़ अरब आबादी वाले देश के पास अपना ऑपरेटिंग सिस्टम न होना बेहद शर्मनाक है। इस टिप्पणी के तुरंत बाद भाजपा ने पलटवार करते हुए पित्रोदा पर भारत को नीचा दिखाने का आरोप लगाया। एक यूट्यूब साक्षात्कार में कांग्रेस नेता ने विदेशी कंपनियों में मौजूद भारतीयों की संख्या का

हवाला देकर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि भारत ने शिक्षण संस्थानों के माध्यम से युवा प्रतिभाओं की एक विशाल फौज खड़ी कर ली है। हालांकि, दुख की बात है कि भारत सरकार इन युवाओं की अपार क्षमता का सही उपयोग देश के भीतर नए नवाचारों और महत्वपूर्ण खोजों के लिए करने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। पित्रोदा ने कहा कि देश ने युवा प्रतिभाएं पैदा की हैं वे अपरिपक्व हैं। इन युवाओं ने भारत के बजाय दुनिया की तमाम मल्टीनेशनल कंपनियों को बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, कानून, इनोवेशन और प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्रों में मदद की है। उनका मानना है कि इस उत्कृष्ट प्रतिभा के बल पर भारत ने अपने लिए कोई ग्लोबल प्रोडक्ट तैयार नहीं किया। इसके विपरीत हमारे इन होनहार युवाओं का पूरा इस्तेमाल सिर्फ दूसरे देशों की सेवा करने के लिए ही किया गया है।

माओवादियों को लगा बड़ा झटका

तिप्परी तिरुपति उर्फ देव जी और अन्य ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर/ संवाददाता

तेलंगाना में चल रहे 'ऑपरेशन कगार' के तहत माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। माओवादी पार्टी के प्रमुख नेता तिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी, पोलित ब्यूरो सदस्य मल्ला राजिरेड्डी उर्फ संग्राम और नरसिम्हा रेड्डी उर्फ गंगन्ना समेत कुल 16 माओवादियों ने 22 फरवरी को तेलंगाना की स्पेशल इंटेलिजेंस ब्रांच (स्ट्रक्च) के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन सभी नेताओं को अगले दो दिनों में सार्वजनिक रूप से पेश किया जा सकता है और इस संबंध में आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है। राज्य सरकार ने 'ऑपरेशन कगार' के तहत 31 मार्च तक माओवादी आंदोलन को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में शीर्ष स्तर के नेताओं का आत्मसमर्पण सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी रणनीतिक सफलता माना जा रहा है। लगातार सुरक्षा बलों के दबाव, मुठभेड़ों और संगठन के अंदर बढ़ती अस्थिरता के कारण माओवादी ढांचा कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। साल 2021 में रामकृष्णा के एनकाउंटर के बाद से माओवादी आंदोलन में भारी हलचल शुरू हो गई थी। इसके बाद हिडमा और संबाला केशव राव जैसे वरिष्ठ नेताओं के मारे जाने की घटनाओं ने संगठन की कमर तोड़ दी। कई अन्य महत्वपूर्ण नेता जैसे आशन्ना और मल्लोजुला वेणुगोपाल ने भी बाद में आत्मसमर्पण कर दिया। गणपति के विदेश भागने की खबरों ने

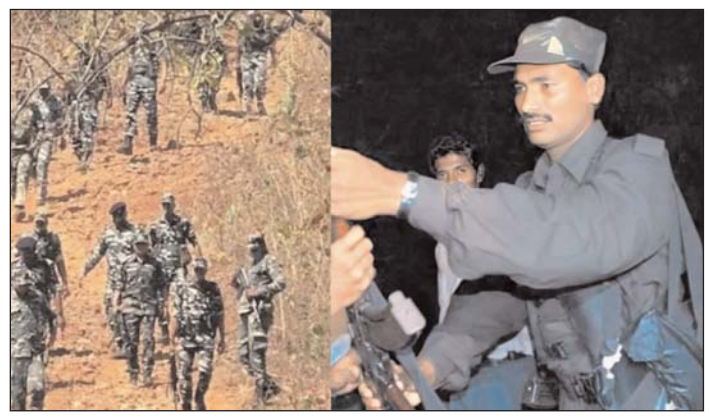

भी संगठन की स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े किए। वर्तमान में बड़े चोक्काराव की तलाश जारी बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, अब जंगलों में सक्रिय माओवादियों की संख्या बेहद सीमित रह गई है। आत्मसमर्पण करने वाले तिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी मूल रूप से जगतियाल जिले के कोरुतला के निवासी हैं और नंबाला केशव राव के एनकाउंटर के बाद केंद्रीय माओवादी पार्टी के सचिव के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वहीं पेड्डापल्ली जिले के मल्ला राजिरेड्डी पोलित ब्यूरो के सक्रिय सदस्य थे और संगठन की रणनीतिक गतिविधियों में उनकी अहम भूमिका मानी जाती थी। बताया जा रहा है कि इस आत्मसमर्पण प्रक्रिया में तेलंगाना के एक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और कुछ सिविल राइट्स कार्यकर्ताओं ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। यह भी चर्चा है कि राज्य का एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता इस पूरी प्रक्रिया के संपर्क में था। लगातार मिल रही इन सफलताओं से संकेत मिल रहे हैं कि माओवादी आंदोलन अपने अंतिम चरण में पहुंच सकता है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि और आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

लगातार सफल हो रहे ऑपरेशन, टूट रही नक्सलियों की कमर- सीएम विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे पर सरकार को एक और अहम सफलता मिली है। नक्सली लीडर देवजी के आत्मसमर्पण पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों से सुरक्षा बलों को लगातार कामयाबी मिल रही है और देवजी का समर्पण इसी कड़ी की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि संग्राम नामक नक्सली ने भी हथियार छोड़ दिए हैं, जिससे स्पष्ट है कि संगठन की पकड़ कमजोर हो रही है। बालौदाबाजार रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में चलाए जा रहे अभियान का असर दिख रहा है और कई नक्सली मुख्यधारा में लौटने का फैसला कर रहे हैं।

कृषि मंत्री नेताम ने साथी बाजार अधोसंरचना निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

दुर्ग। प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुधन विकास मंत्री श्री राम विचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में आज बीज निगम प्रक्षेत्र रूआबांधा भिलाई में देश का प्रथम साथी बाजार अधोसंरचना निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने की। प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। लगभग 60 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली साथी बाजार के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। जिसमें कृषकों के स्व सहायता समूहों - एफ पी.ओ. को उनके उत्पाद सीधे उपभोक्ता को विक्रय करने हेतु अपना मंडी उपलब्ध होगा। कृषको के स्व सहायता समूहों - एफ.पी.ओ. को अपने उत्पादो का भण्डारण करने के लिये 5000 मि. टन का कोल्डस्टोरेज उपलब्ध कराया जायेगा। कृषकों के स्व सहायता समूहों - एफपीओ. को अपने उत्पादों का प्रसंस्करण कराने के लिये प्रसंस्करण उद्योग स्थापित किया जाएगा। कृषकों को उच्च गुणवत्ता एवं उचित मूल्य पर आदान सामग्री उपलब्ध कराने के लिये एग्रीमॉल स्थापित किया जाएगा। कृषकों को नवीन तकनीक की जानकारी एवं सलाह, किराये पर उपकरण तथा परीक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिये कृषक सहायता केन्द्र स्थापित किया जायेगा जिसका संचालन विश्वविद्यालय के स्नातको द्वारा किया जायेगा। कृषकों के स्व सहायता समूहों, एफ.पी.ओ -स्वदेशी कंपनियो को अपने उत्पाद विक्रय करने के लिये सुपर बाजार उपलब्ध कराया जायेगा। प्रदेश एवं देश की स्वदेशी उद्यमों को अपने उत्पाद विक्रय करने के लिये स्पेशल प्रमोशन जोन के माध्यम से विक्रय काउंटर बूट मॉडल पर उपलब्ध कराये जायेंगे। प्रदेश एवं देश के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट को अपना विक्रय काउंटर खोलने के लिये स्थल बूट मॉडल पर उपलब्ध कराये जायेंगे। प्रदेश एवं देश के प्रसिद्ध गेमिंग कंपनियों को अपना काउंटर खोलने के लिये स्थल बूट मॉडल पर उपलब्ध कराये जायेंगे। राज्य की शासकीय इकाईयों जैसे दुग्ध महासंघ, लघुवनोपज संघ, हस्तशिल्प विकास निगम इत्यादि को अपने उत्पाद विक्रय करने के लिए जगह उपलब्ध कराई जाएगी।कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम की मौजूदगी में किसान कल्याण एवं कृषि के नवाचार हेतु चार एमओयू भी हुए। जिसके अन्तर्गत सेरीक्रॉफ्ट फाउण्डेशन रायपुर द्वारा शहतूत (मलवेरी) कोसा उत्पादन कर उत्पादित कोसा को खरीदने की व्यवस्था, कवरक्रॉफ्ट इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जोखिम को कवर करने के लिए सभी किसानों व जरूरतमंदों को बीमा सुरक्षा, स्वामी विवेकानंद टेक्नीकल युनिर्वसिटी द्वारा ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं इन्टरप्रेनरशीप कृषकों एवं उनके विद्यालयीन बच्चों के लिए शिक्षक प्रशिक्षण उद्यम एवं विपणन हेतु मेंबरशीप देना तथा श्री बलराम कृषि को-ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा फसल परिवर्तन नेपियर घॉस उगाकर उपज की खरीददारी, पलारी विस्तारकरण हेतु कांफ्रेंस, बायोगैस एवं पैलेट निर्माण कर किसानों की आय में वृद्धि किया जाएगा।

आईआईटी भिलाई को राष्ट्र को समर्पित करने की दूसरी वर्षगांठ

भिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई ने अपने परिसर में नालंदा हॉल में आईआईटी भिलाई को राष्ट्र को समर्पित करने की दूसरी वर्षगांठ मनाई। आईआईटी भिलाई के अत्याधुनिक परिसर को प्रधानमंत्री द्वारा 20 फरवरी 2024 को राष्ट्र को समर्पित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद सरस्वती वंदना और अतिथियों को सम्मानित किया गया। भाषण के दौरान प्रो. राजीव प्रकाश, निदेशक, आईआईटी भिलाई, ने संस्थान की उपलब्धियों और उसकी प्रेरणादायक यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने आईआईटी भिलाई को शिक्षा और अनुसंधान के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यह भी बताया कि आईआईटी भिलाई, छत्तीसगढ़ सरकार के साथ मिलकर राज्य को एक तकनीकी केंद्र बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके तहत दुर्ग में एक आईटी पार्क की स्थापना की जा रही है और इसका कार्य पहले ही शुरू हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि परिसर निर्माण का चरण-बी (क्ष्ठ्ठह्यद्ग क्च) भी जल्द ही शुरू होगा। श्री सोनल अग्निहोत्री, आईपीएस, गृह मंत्रालय में छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिनिधि ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और दर्शकों को संबोधित करते हुए अपने बहुमूल्य विचार साझा किए।

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। संस्थान के सभी सदस्यों को अपने कर्तव्यों का पालन गर्व और समर्पण के साथ करने के लिए प्रेरित किया गया, और पुरस्कार विजेताओं की उनकी मेहनत के लिए प्रशंसा की गई। इसके बाद एक संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। श्री सचिन मिश्र, उपकुलसचिव आईआईटी भिलाई ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

आईआईटी भिलाई को एक सतत और पर्यावरण-अनुकूल परिसर के रूप में योजना बनाकर विकसित किया गया है। हाल ही में संस्थान को जीआरआईएचए एलडी (लार्ज डेवलपमेंट्स) के तहत 5-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई, जो जीआरआईएचए ढांचे के अंतर्गत सर्वोच्च प्रमाणन है। इस श्रेणी में यह पुरस्कार आईआईटी भिलाई को दूसरी बार मिला है। 5-स्टार रेटिंग पर्यावरण संरक्षण और हरित, भविष्य के लिए तैयार परिसर के निर्माण के प्रति संस्थान की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्वच्छ जल,स्वच्छ मन अभियान का चौथा चरण का शुभारंभ

भिलाई। जल सेवा साधना बन जाये और प्रकृति के प्रति संवेदना मूल मंत्र बन जाये तब एक पावन संकल्प जन्म लेता है।मानव सेवा और लोक कल्याण की दिव्य चेतना को साकार रूप प्रदान करने संत निरंकारी मिशन द्वारा प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत स्वच्छ जल,स्वच्छ मन अभियान का चौथा चरण का शुभारंभ सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशानुसार 22 फरवरी रविवार को समस्त भारत मे प्रारम्भ किया जा रहा है। इसी कड़ी में भिलाई में यह अभियान सुबह 7 बजे से सेक्टर 8 स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन के पास प्रारम्भ किया जाएगा। इस अभियान के तहत नहर व नहर के आसपास सफाई की जाएगी।ब्रांच संयोजक श्री सतपाल सिंह सैनी जी ने बताया कि यह अभियान देश भर में 1500 से अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जा रहा है।इस अभियान के माध्यम से मानव जगत को जल संरक्षण व स्वच्छता संदेश देना है।उन्होंने बताया कि निरंकारी बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायी शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए 2023 में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से प्रोजेक्ट अमृत का सूत्रपात किया गया था।नदियों,तालाबो,कुंवो, नहर,झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण व संवर्धन हेतु समर्पित इस जनांदोलन ने अपने तीन चरणों मे सेवा,समर्पण व सहभागिता की अदभुत मिसाल कायम की है। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष शिवनाथ नदी दुर्ग में अभियान के तहत सफाई की गई थी।इस वर्ष सेक्टर 8 में सुबह 7 बजे सैकड़ो अनुयायी इस अभियान में अपनी सेवाएं देकर स्वच्छता का संदेश देंगे।सद्गुरु माता सुदीक्षा जी का संदेश यही है कि स्वच्छ जल स्वच्छ मन अभियान मानव को प्रकृति ,समाज व आत्मा से जोड़ते हुए करुणा संतुलन व सौहार्द से परिपूर्ण भविष्य की ओर मार्गदर्शन करता है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना सहायक जनसम्पर्क अधिकारी शंकर सचदेव ने दी।

निगम आयुक्त ने किया सेक्टर-6 क्षेत्र का औचक निरीक्षण

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-5 अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री प्रतिक्षालय, उद्यान और टेनिस कोर्ट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को साफ-सफाई कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। एम.जी.एम. स्कूल के समीप स्थित यात्री प्रतिक्षालय के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने पाया कि यात्रियों के बैठने के लिए लगाई गई कुर्सियां क्षतिग्रस्त हैं। उन्होंने इसे तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए ताकि यात्रियों को असुविधा न हो।

सेक्टर-6 बम्लेश्वरी मंदिर के पास स्थित उद्यान का अवलोकन करते हुए उन्होंने बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों के टहलने और बैठने के लिए वातावरण स्वच्छ होना चाहिए। समीपस्थ टेनिस कोर्ट का जायजा लेते हुए आयुक्त ने खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता प्रिया करसे, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे एवं स्वच्छता निरीक्षक सूर्या, सुपरवाइजर मनीष चौधरी, वेंकट सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेकराम रामटेके बने बौद्ध कल्याण समिति के अध्यक्ष

दुर्ग। रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं रायपुर के आदेशानुसार आदेश क्रमांक अपील 501/ 1824/ 25- दिनांक 13.11.25 के तहत पूर्व अध्यक्ष बालेश्वर चौरे को साठ दिन के भीतर चुनाव कराने का आदेश किया गया था द्य आदेश का अनुपालन करते हुए पूर्व अध्यक्ष बालेश्वर चौराहे ने एक सामान्य सभा बुलाकर चुनाव की प्रक्रिया पूर्ण की इस चुनाव प्रक्रिया में अध्यक्ष पद पर नेकराम रामटेके निर्वाचित हुए साथ ही उपाध्यक्ष पद पर दिग्विजय मेश्राम,उपाध्यक्ष महिला उर्मिला मेश्राम, कोषाध्यक्ष राजकुमार रामटेके सचिव जवींद्र सोनटके संयुक्त सचिव चुनेश्वर गजभिए और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में जयंत खोबरागड़े एवं लतीक रामटेके निर्वाचित हुए । जानकारी हो कि इसके पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र शेंडे की कमेटी विवादित होने के कारण तीन निर्वाचित पदाधिकारी को बिना कारण के अध्यक्ष द्वारा संस्था से निष्कासित करने से संस्था में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई थी और संस्था अल्पमत में आ गई थी इसी को आधार बनाकर रजिस्ट्रार महोदय ने पुनः चुनाव कराने आदेश दिया था। अध्यक्ष नेक राम रामटेक ने समाज के लोगों से आवहान किया है कि प्रत्येक रविवार को सुबह 10ः00 बजे बुद्ध भूमि कोसा नगर में सामूहिक वंदना की जावेगी सभी से उपस्थित होने की अपील की गई है ।

सफाई के लिए फेंसिंग तार हटाने महापौर लिखेगी बी.एस.पी. को पत्र

रिसाली। शिवपारा स्टेशन मरोदा स्थित सुलभ शौचालय के आगे बीएसपी द्वारा लगाए फेंसिंग तार को हटाने महापौर शशि सिन्हा भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारियों को पत्र लिखेगी। फेंसिंग की वजह से सफाई कार्य में अवरोध उत्पन्न हो रहा है। नगर पलिक निगम रिसाली की महापौर शशि सिन्हा वार्ड 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा पहुंची। भ्रमण के दौरान नागरिकों ने शिकायत की है कि सुलभ शौचालय नंदी चैक के आगे अतिक्रमण को रोकने इस्पात संयंत्र ने फेंसिंग तार का घेरा लगा दिया है। इस वजह से झाड़ियों और नाली में जमे मलबा की सफाई नहीं हो पा रहा है। गंदा पानी का निकासी नहीं हो रहा है। नागरिकों की समस्याओं पर महापौर शशि सिन्हा ने आश्वासन दी कि वे जल्द ही बीएसपी प्रबंधन को पत्र लिख फेंसिंग तार हटाने कहेंगी ताकि सफाई कार्य बाधित न हो। वहीं उन्होंने क्षेत्रीय पार्षद गजेन्द्री कोठारी को भी इसी कार्य के लिए पृथक से पत्र लिखने कही। इस दौरान एमआईसी अनिल देशमुख, संजू नेताम, पार्षद गजेन्द्री कोठारी, रेखा देवी, उपअभियंता डिगेश्वरी चंद्राकर, राजस्व विभाग के प्रभारी अधिकारी योगेश सुरे, जल कार्य विभाग के गोपाल सिन्हा आदि उपस्थित थे। महापौर शशि सिन्हा खास करके सफाई व्यवस्था की समीक्षा कर रही है। उन्होंने वार्ड में कार्यरत सफाई दरोगा से नियमित होने वाले कार्यो के बारे में पुछताछ की। महापौर ने निर्देश दिए है कि हर हाल में सफाई व्यवस्था दुरूस्त हो।

बड़े बकायादारों पर निगम का कड़ा शिकंजा, टेक्स नहीं तो होगी कुर्की की कार्रवाई

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। राजस्व वसूली को लेकर उन्होंने राजस्व अधिकारी आर.के.बोरकर,सहायक राजस्व अधिकारी थानसिंग यादव एवं राजस्व अमले की टीम को कड़े निर्देश जारी किए हैं।

स्पष्ट कहा गया है कि बड़े बकायादारों द्वारा टैक्स जमा नहीं करने की स्थिति में सीधे कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।आयुक्त के निर्देश पर राजस्व विभाग ने लंबे समय से बकाया टैक्स नहीं चुकाने वाले बड़े बकायादारों की सूची तैयार कर ली है। इन बकायादारों से लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक की राशि निगम को प्राप्त करनी है। सहायक राजस्व निरीक्षकों की ड्यूटी विशेष रूप से इन प्रकरणों में लगाई गई है ताकि शीघ्र वसूली सुनिश्चित की जा सके। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्पष्ट कहा है कि यदि करदाता टैक्स जमा करने में आनाकानी करते हैं तो पहले नोटिस जारी किया जाएगा, तत्पश्चात नियमानुसार कुर्की की कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। निगम प्रशासन अब किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई के मूड में नहीं है।नगर निगम को लंबे समय से लंबित राजस्व की आवश्यकता विभिन्न विकास कार्यों के लिए है। ऐसे में बड़े बकायादारों से शीघ्र वसूली सुनिश्चित करना प्राथमिकता में शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की गौरवगाथा का डिजिटल लोकार्पण

मुख्य न्यायाधीश ने ई-स्मारिका जारी कर बढ़ाया मान

रायपुर/दुर्ग। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा 22 फरवरी, को होटल बेबीलॉन कैपिटल, रायपुर में भारत के मुख्य न्यायमूर्ति माननीय श्री न्यायमूर्ति सूर्यकांत के सम्मान में एक गरिमामय अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

उपरोक्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उच्चतम न्यायालय के माननीय श्री न्यायमूर्ति पमिदिधनतम श्री नरसिम्हा तथा माननीय श्री न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में एवं विशेष अतिथि के रूप में माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायमूर्ति छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आज छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की ई-स्मारिका का डिजिटल विमोचन किया। ÷नर्चरिंग द फ्यूचर ऑफ द ज्यूडिशियरी÷ शीर्षक वाली यह डिजिटल प्रकाशन 2003 में अपनी स्थापना के बाद से अकादमी की उत्कृष्टता की यात्रा का स्मरण कराती है।

अपने स्वागत भाषण में माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री न्यायमूर्ति सूर्यकांत का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि संवैधानिक मूल्यों तथा न्यायिक निष्पक्षता के प्रति गहन प्रतिबद्धता संपूर्ण न्यायिक समुदाय को प्रेरित करती है। माननीय न्यायाधीश की उपस्थिति छत्तीसगढ़ की न्यायपालिका के लिए गौरव और प्रेरणा के स्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि हम आज एक ऐतिहासिक पल के साक्षी हैं-ई-स्मारिका के जो छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की परिवर्तनकारी यात्रा को सुंदर रूप में प्रस्तुत करती है। यह अकादमी राज्य में न्यायिक उत्कृष्टता की आधारशिला है। साधारण प्रारंभ से आधुनिक विधिक प्रशिक्षण के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित होने तक की इसकी यात्रा एक सक्षम और सुदृढ़ न्यायपालिका के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह ई-स्मारिका मात्र एक डिजिटल दस्तावेज नहीं बल्कि

न्यायिक शिक्षा के प्रति हमारे समर्पण आधारभूत संरचना के विकास तथा डिजिटल युग के अनुरूप हमारे अनुकूलन का सजीव दस्तावेज है।

माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने माननीय श्री न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा तथा माननीय श्री न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा का भी हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व विधि के शासन के प्रति समर्पण का प्रतीक है। माननीय न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा का उच्च न्यायालय से जुड़ाव स्थानीय न्यायाधीशगण और अधिवक्ता समुदाय को निरंतर प्रेरित करता है।

अपने संबोधन में भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश माननीय श्री न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि सम्मान के अवसर सामूहिक गौरव के क्षण होते हैं- ये संस्थाओं को एक-दूसरे को गहराई से समझने का अवसर प्रदान करते हैं। ये केवल कृतज्ञता ही नहीं, बल्कि आत्मचिंतन के भी अवसर होते हैं। उन्होंने बल देकर कहा कि प्रत्येक न्यायाधीश को अपने दायित्व में एक संरक्षक के रूप में दृढ़ रहना चाहिए- सिद्धांतों में अडिग आचरण में संतुलित और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में तत्पर। साथ ही उन्होंने यह भी सावधान किया कि न्यायालय स्वयं को समाज से पृथक नहीं कर सकते। जो न्यायालय स्वयं को सीमित कर लेता है यह अप्रासंगिक होने का जोखिम उठाता है। उच्च न्यायालय को दंतेवाड़ा, बस्तर, सरगुजा और राज्य के प्रत्येक जिले तक अपनी दृष्टि और संवेदनशीलता का विस्तार करना चाहिए जहाँ न्याय की अपेक्षा है।

भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश ने छत्तीसगढ़ के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि यह राज्य भारत की विविधता का लघु रूप है। ÷छत्तीसगढ़÷ नाम का पारंपरिक अर्थ ÷छत्तीस किलों की भूमि÷ माना जाता है। उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से कहा कि ये किले केवल रक्षा संरचनाएँ नहीं थे बल्कि शासन प्रशासन और सामुदायिक जीवन के केंद्र थे। वे केवल सैन्य शक्ति से नहीं बल्कि जिन मूल्यों की रक्षा करते थे उनसे सुदृढ़ बने रहे। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि संवैधानिक न्यायालयों को लोकतंत्र के आधुनिक किलों के रूप में देखा जा सकता है। वे भूभाग की नहीं, अधिकारों की रक्षा करते हैं, वे सीमाओं की नहीं, बल्कि सत्ता की संवैधानिक मर्यादाओं की रक्षा करते हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, भारत की सबसे युवा संवैधानिक संस्थाओं में से एक है, जब अपेक्षाकृत युवा उच्च न्यायालय अपने कार्य का विस्तार करता है और अपनी संस्थागत उपस्थिति को सुद्ध बनाता है तो वह पदानुक्रम नहीं बल्कि संवैधानिक परिवार के भीतर भाईचारे की भावना को दर्शाता है। यद्यपि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय आयु में युवा है, किंतु उसने अपने उच्च मानदंड और परंपराएँ स्थापित कर ली हैं।

माननीय मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि न्यायिक अकादमी केवल प्रशिक्षण संस्था नहीं है, बल्कि वह स्थान है जहाँ न्यायपालिका की भावी शक्ति का निर्माण होता है। एक युवा उच्च न्यायालय में अकादमी संवैधानिक मूल्यों और संस्थागत संस्कृति को प्रारंभिक स्तर पर स्थापित करने में आधारभूत भूमिका निभाती है। अपने संबोधन के समापन में उन्होंने राज्य के भौगोलिक और आधारभूत चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि दूरी या दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण न्याय से वंचित नहीं किया जा सकता। राज्य के प्रत्येक भाग में संस्थागत उपस्थिति और संवेदनशीलता बनाए रखते हुए न्यायपालिका यह सुनिश्चित कर सकती है कि न्याय प्रत्येक नागरिक तक पहुँचे, चाहे वह किसी भी क्षेत्र में निवास करता हो।

उपरोक्त अभिनंदन एवं विमोचन कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा मुख्य न्यायमूर्ति छत्तीसगढ, बिलासपुर के स्वागत भाषण से हुआ तथा समापन माननीय श्री न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल, न्यायमूर्ति छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उपरोक्त कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के समस्त माननीय न्यायमूर्तिगण, माननीय श्री न्यायमूर्ति पी. सैम कोशी, न्यायमूर्ति तेलंगाना उच्च न्यायालय, विधि विभाग के प्रमुख सचिव, रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अधिकारीगण, रायपुर जिला के न्यायाधीशगण एवं उच्च न्यायालय के कर्मचारीगण की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार जोरापारा, मौदहापारा निवासी अजय साहू को 17 फरवरी को आरोपी राहुल यादव ने सिल्लू बाड़ी, आजाद चौक क्षेत्र में बुलाया। वहां दोनों के बीच पुराने विवाद को लेकर कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। आरोपी राहुल यादव ने गाली-गलौच करते हुए अजय साहू को जान से मारने की धमकी दी और चाकू से हमला कर दिया। हमले में घायल अजय साहू को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। मामले में थाना आजाद चौक पुलिस ने अपराध क्रमांक 40/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 296, 351(2), 115(2) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 व 27 के तहत कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम जोन) संदीप पटेल के निर्देश पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

झाड़-फूंक की आड़ में किया दुष्कर्म, सुरज चैहान को हुई सश्रम कारावास की सजा

रायपुर। झाड़ फूंक के बहाने बलात्कार के एक मामले में अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट सीमा प्रताप चन्द्रा द्वारा अभियुक्त सूरज चैहान उर्फ दादू को बलात्संग का दोषी पाते हुए 10 वर्ष सश्रम कारावास और 1000 अर्थदंड की सजा सुनाई है। अति लोक अभियोजक मोहन सोनी ने बताया कि आरोपी ने झाड़ फूंक का बहाना बनाकर पीड़िता को उसके सास के घर मे स्थित कमरे में ले जाकर उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके कपड़े निकालकर, जबरदस्ती बलात्कार किया। पीड़ित ने चैकी रजगामार में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने विवेचना उपरांत अभियोग पत्र सीमा चंद्रा, अपर सत्र न्यायाधीश , फास्ट ट्रैक कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक मोहन सोनी ने ठोस दलीले पेश की। सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देकर 10 वर्ष की कठोर सजा और 1000 अर्थ दण्ड की सजा सुनाई है।

छेड़छाड़ के मामले में आरोपी को हुई दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा

रायपुर। अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट सीमा प्रताप चन्द्रा द्वारा छेड़छाड़ के एक मामले में 57 वर्ष के अभियुक्त सुरेंद्र कुमार केशरिया को दोषी पाते हुए 2 वर्ष सश्रम कारावास की सजा व 500 अर्थदंड की सजा सुनाई है। अतिरिक्त लोक अभियोजक मोहन सोनी ने बताया कि पीड़िता घर के पास स्थित बाड़ी में अपने घर की साफ सफाई के बाद निकला कचरा फेंकने गई थी, जहाँ नग्न हालत में मौजूद आरोपी सुरेंद्र केशरिया ने सूनेपन व अकेलेपन का फायदा उठाते हुए पहले तो पीड़ित को पीछे से पकड़ लिया और पीड़िता के दोनों हाथ पकड़कर अश्लील बात, बलात्कार करूँगा कहने लगा। पीड़ित किसी तरह अपने को छुड़ाकर घर पहुंची और अपने पति को सारी घटना बताई। उसने उरगा थाना में शिकायत दर्ज कराई जिस पर पुलिस द्वारा बी एन एस की धारा 74, तथा 75(2) के तहत अपराध दर्ज कर मामला दर्ज कर। पुलिस ने विवेचना पूर्ण कर फास्ट ट्रक कोर्ट में प्रस्तुत किया, जहाँ अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक मोहन सोनी ने ठोस दलीले देकर मजबूती से अपना पक्ष रखा।

निर्धारित समय में गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए विद्यालयों में बनाएं बेहतर वातावरण

- एकलव्य विद्यालयों के निर्माण कार्य में लेट-लतीफी पर एजेंसियों पर नाराजगी जाहिर की
- नयी कार्ययोजना में जीम और ऑडिटोरियम को अनिवार्य रूप से जोड़ने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज नवा रायपुर स्थित आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की प्रगति की समीक्षा की। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि एकलव्य विद्यालय शत-प्रतिशत केन्द्र सरकार के सहयोग से चलता है। हम सबकी का जिम्मेदारी है कि इस कार्य को बेहतर बनाएं और इस विद्यालय में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए शिक्षा का बेहतर वातावरण तैयार करें। उन्होंने एकलव्य विद्यालय के नये भवन प्रस्ताव में अनिवार्य रूप से जीम और ऑडिटोरियम को जोड़ने के भी सुझाव दिए। मंत्री श्री नेताम ने समीक्षा के दौरान एकलव्य आवासीय विद्यालय के भवनों में लेट-लतीफी के लिए निर्माण कार्य में एजेंसियों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि एजेंसी के जिम्मेदार अधिकारी शीघ्र ही संबंधित जिलों के कलेक्टरों और विभागीय सहायक आयुक्तों से मिलकर कार्य में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एकलव्य विद्यालय अंतर्गत दी जा रही सामग्रियों में गुणवत्ता के साथ-साथ एकरूपता भी होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लापरवाही और गड़बड़ी पर समझौता न करें और उचित कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करें। मंत्री श्री नेताम ने एकलव्य विद्यार्थियों के गणवेश की गुणवत्ता को बेहतर करने और उसमें एकरूपता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मेजरमेंट पर भी अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट किया। गौरतलब है कि राज्य में अनुसूचित

जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने, प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत कर प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के उद्देश्य से वर्तमान में प्रदेश के 26 जिलों में 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित हैं। इसमें बालक विद्यालयों की संख्या 8 और कन्या विद्यालयों की संख्या 10 है। शेष 59 विद्यालय संयुक्त रूप से संचालित हो रहा है। बैठक में विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने छात्रावास-आश्रम के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और गुणवत्तापूर्ण भोजन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी एकलव्य विद्यालयों के प्राचार्य, सहायक आयुक्त यह ध्यान दें कि नियमित रूप से बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण हो। खेल के क्षेत्र में भी भविष्य निर्माण और रूचि को ध्यान में रखते हुए अच्छे प्रशिक्षण और खेल परिसर की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा के लिए बेहतर माहौल तैयार करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने खासतौर पर भोजन की गुणवत्ता को लेकर कहा कि इस पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। श्री बोरा ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य और आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दवाईयों के साथ-साथ एंटीवेनम की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आदिम जाति विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारंश मित्तर ने कहा कि एकलव्य आवासीय भवन फेस-1 का निर्माण अपूर्ण है। वे शीघ्र कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। अपूर्ण कार्यों के लिए संबंधित जिलों के कलेक्टरों से समन्वय कर निर्माण कार्यों में तेजी लाना सुनिश्चित करें। बैठक में सभी संभागों में निर्माणाधीन भवनों की एक-एक कर समीक्षा की गई। बैठक में जर्जर भवनों के मरम्मत का भी प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। आयुक्त डॉ. मित्तर ने बैठक में उपस्थित सभी विद्यालयों के प्राचार्यों और सहायक आयुक्तों से कहा कि बहुत से विद्यालयों के बच्चों के 10वीं और 12वीं का रिजल्ट में सुधार की जरूरत है। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आने वाले वर्षों में परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु पढ़ाई पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान दें। बैठक में सभी जिलों के सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के प्राचार्य, निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

गांजा के साथ अन्तर्राज्यीय आरोपी गिरफ्तार किया गया

रायपुर। रायपुर पुलिस ने गांजा के साथ एक अन्तर्राज्यीय आरोपी कुणाल नाइक को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 1.587 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है। बता दें कि पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) मयंक गुर्जर (भा.पु.से) के दिशा-निर्देश में नशे के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु मादक पदार्थो की तस्करी रोकने के साथ ही अवैध रूप से उनकी खरीदी-बिक्री करने वाले लोगों के संबंध में पतासाजी कर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिसके तारतम्य में समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों सहित थाना प्रभारियों द्वारा इस संबंध में सूचना संकलन कर मुखबीर लगाने के साथ ही अन्य माध्यमों से भी जानकारी एकत्रित किए जा रहे है। इसी तारतम्य में दिनांक 19.02.26 को सूचना मिली कि थाना गुढ़ियारी क्षेत्रान्तर्गत गोंदवारा ओवर ब्रिज के नीचे एक व्यक्ति अपने पास गांजा रखा है तथा बिक्री के फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) आकाश मरकाम तथा सहायक पुलिस आयुक्त सुश्री पूर्णिमा लामा द्वारा सूचना की तस्दीक कर आरोपियों को गांजा के साथ पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन तथा थाना प्रभारी गुढ़ियारी के नेतृत्व में थाना गुढ़ियारी पुलिस की टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम कुणाल नाइक निवासी ओढ़िसा का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखे थैले की तलाशी लेने पर उसके पास थैला में गांजा रखा होना पाया गया।

छत्तीसगढ़ का वर्ष 26-27 का बजट 24 फरवरी को पेश किया जाएगा.....

- विकसित भारत के अनुरूप होगा बजट 1.50 लाख करोड़ को बजट होगा अनुमानित

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू हो रहा है। वर्ष 2026-27 का बजट 24 फरवरी को पेश किया जाएगा। यह बजट छत्तीसगढ़ के विकसित विजन को लेकर बनाया जा रहा है। बजट में महिला, किसान, मजदूर एवं युवाओं तथा अधोसंरचना विकास के लिए महत्वपूर्ण घोषणा किए जाने की संभावना है। आज वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कार्यकाल का तीसरा बजट 24 फरवरी को पेश किया जाएगा। पहले बजट में ज्ञान और दूसरे बजट गति को महत्व दिया गया था। तीसरे बजट में विकसित भारत को महत्व दिया जाएगा। मोदी की गारंटी और भाजपा घोषणा पत्र के अनुरूप यह बजट बनाया जाएगा, जिसमें सरकार का विजन स्पष्ट होगा। बजट में गुड गर्वेंस को भी महत्व दिया जाएगा। बजट पेश करने के बाद होली का अवकाश रहेगा, इसके पश्चात इस पर चर्चा होगी। छत्तीसगढ़ का वर्ष 2026-27 का बजट 1.50 लाख करोड़ होने का अनुमान है, पिछले वर्ष 2025-26 का बजट एक लाख 20 हजार के आसपास था। वित्तीय घाटा एवं राजकोषीय घाटे को देखते हुए इस बजट को बनाय जा रहा है। बजट मे स्थापना व्यय पर नियंत्रण पाते हुए, अधोसंरचना विकास को महत्व दिए जाने संभावना है। जीएसटी लागू करने के बाद नया कर नहीं लगाया जा सकता, इसलिए सरकार को अब केन्द्र की राशि पर निर्भर रहना पड़ता है। सरकार को पंचायत विभाग के अधीन आवास योजना, सड़क योजना, शिक्षा विभाग में मिड-डे-मिल तथा स्वास्थ्य विभाग में पीएम केयर तथा नेत्र ऑपरेशन एवं एड्स के लिए बड़ी राशि दी जाती है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहा रुझान

- ग्रामीणों का कहना है कि इस योजना से बार-बार होने वाली बिजली कटौती की समस्या में भी कमी आई है

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार उत्साह और सहभागिता बढ़ रही है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण परिवार सौर ऊर्जा अपनाकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहे हैं। राजनांदगांव विकासखंड के आदर्श ग्राम पंचायत भोथीपार खुर्द के सरपंच श्री जितेंद्र साहू ने योजना से प्रेरित होकर अपने निवास पर 3 किलोवॉट क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किया है। सोलर प्लांट स्थापना के उपरांत उनका मासिक विद्युत बिल शून्य हो गया है। पूर्व में उनके घर का बिजली बिल प्रतिमाह लगभग 1200 से 1500 रुपये तक आता था, जिससे अब पूर्णत: मुक्ति मिल गई है। अतिरिक्त विद्युत उत्पादन होने पर उसकी राशि भी नियमानुसार प्रदान की जाएगी। सरपंच श्री साहू ने बताया कि सोलर प्लांट स्थापना में लगभग 2 लाख रुपये की लागत आई। योजना अंतर्गत केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये तथा राज्य शासन से 30 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 1 लाख 8 हजार रुपये का अनुदान मिला। शेष राशि हेतु बैंक वित्त सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जो सरल एवं सुलभ किश्तों में स्वीकृत हुई। श्री साहू न केवल स्वयं योजना से लाभान्वित हुए हैं, बल्कि ग्राम स्तर पर अभियान चलाकर अन्य ग्रामीणों को भी रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनके प्रयासों से ग्राम के अनेक परिवार सौर ऊर्जा से जुड़ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस योजना से बार-बार होने वाली बिजली कटौती की समस्या में भी कमी आई है तथा ऊर्जा आपूर्ति अधिक स्थिर और विश्वसनीय हुई है। सरपंच श्री जितेंद्र साहू ने योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण अंचलों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है।

भाजपा संयुक्त मोर्चा कार्यसमिति बैठक संपन्न विकसित भारत के लक्ष्य पर जोर-मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भारतीय जनता पार्टी की संयुक्त मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठन को मजबूत बनाने और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर शासन की योजनाओं और 'मोदी की गारंटी' को आम जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं—प्रधानमंत्री आवास, धान खरीदी, महतारी वंदन योजना, तेंदूपत्ता संग्राहकों को पारिश्रमिक और अन्य जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर, समृद्ध और विश्वगुरु बनाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' के संकल्प के साथ जनता के बीच जाने और योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि भाजपा एक कार्यक्रम आधारित संगठन है, जहां सालभर सेवा कार्य चलते रहते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण, संगठनात्मक मजबूती और आगामी बजट से जुड़ी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का अनुशासन और समर्पण ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। बैठक में पार्टी के विभिन्न मोर्चों के प्रदेश पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी और यशवंत जैन ने किया।

गुंडागर्दी करने वाला बदमाश पकड़ाया....

रायपुर। राजधानी रायपुर की सिटी कोतवाली पुलिस ने थानाक्षेत्र के फत्तेहशाह मार्केट से गुंडागर्दी करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। बता दें कि रायपुर कमिश्नरेट में डीसीपी सेंट्रल ज़ोन के निर्देशन में गुंडा बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 18.02.2026 को थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत फत्तेहशाह मार्केट में गुंडा बदमाश वसीम खान उर्फ मम्मा, पिता ङ्क मोह. हाफिज खान, निवासी ङ्क चांदनी चौक, नेहरू नगर द्वारा नशा करने के लिए दुकानदारों से जबरन पैसे की मांग की गई। पैसे नहीं देने पर आरोपी द्वारा दुकानदारों के साथ गाली-गलौच एवं मारपीट कर क्षेत्र में दहशत फैलाने का प्रयास किया गया। प्रकरण में अविलंब अपराध पंजीबद्ध करते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थाना सिटी कोतवाली, रायपुर में धारा 296, 119(1), 115(2), 351(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी पूर्व से गुंडा हिस्ट्रीशीटर है, जिसके विरुद्ध कुल 08 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं, जिनमें 4 प्रकरण थाना सिटी कोतवाली में, 2 प्रकरण थाना टिकरापारा में, 1 प्रकरण थाना तेलीबांधा में तथा 1 प्रकरण थाना सरस्वती नगर में दर्ज हैं।

श्रम विभाग की कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने श्रमिक भाई -बहन बनें जागरूक

1242 श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं में तहत एक करोड़ से अधिक धनराशि वितरित

- श्रमिकों के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए नवीन लेबर कोड एक ऐतिहासिक निर्णय-योगेश
- श्रमिकों के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी देने श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का आयोजन

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के विषय में जागरूक करने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित जिला ऑडिटोरियम में गुरुवार को श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया।कार्यकम में श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को 1 करोड़ 4 लाख से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से श्रमिक एवं उनके परिवार के खाते में आतंरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य शासन द्वारा श्रमिकों और उनके परिवार को खुशहाल बनाने के लिए 31 से अधिक कार्यक्रम और योजनाएँ संचालित हैं,जिनकी जानकारी सभी श्रमिक भाइयों और बहनों को होना ज़रूरी है तभी वे इन योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का यही उद्देश्य है। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ज़्यादा से ज़्यादा श्रमिक भाई बहनों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने ऐसे कार्यकम सार्थक भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्रम कल्याण मंडलके अध्यक्ष श्री योगेश दत्त मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के हितों के लिए क्रांतिकारी कदम उठाते हुए चार नए लेबर कोड लागू करने का निर्णय लिया गया है जो निश्चित रूप से श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सबल करने की दिशा में बड़ा कदम है।उन्होंने कहा देश की आबादी का 45 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र के मजदूर हैं जिनके आर्थिक और सामाजिक विकास के बिना देश का विकास संभव नहीं है इसी लिहाज

से यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।उन्होंने देश में लागू चार नए लेबर कोड (श्रम संहिताओं)मजदूरी संहिता, 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियों या ओएसएच संहिता 2020 और औद्योगिक संबंध संहिता 2020 के लाभ के बारे में विस्तार से बताया। नए श्रम कानूनों के मुताबिक देश भर में राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन तय किया जाएगा।एक बार घोषित होने के बाद राज्य इससे कम वेतन तय नहीं कर सकते।मजदूरों और उनके परिवारों की सुरक्षा और इलाज की व्यवस्था ,भविष्य निधि ,आदि के बारे में बताया। उन्होंने कार्यक्रम में आए जन प्रतिनिधियों और श्रमिकों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी अपना नैतिक दायित्व समझते हुए ज़्यादा से ज़्यादा श्रमिकों को विभागीय योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित और जागरूक करें तभी हम विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत की संकल्पना को साकार कर सकेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष श्री अशोक जैन ने कहा विकास और निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले श्रमिकों के कल्याण के लिए राज्य शासन लगातार प्रयासरत है । कार्यक्रम में विभिन योजनाओं में हितग्राहियों से बातचीत कर उनका अनुभव भी जाना कंचन वर्मा ने बताया कि उन्हें नोनी सुरक्षा का लाभ मिला है,जिसके कारण वो अपने कॉलेज की पढ़ाई कर पा रही हैं। सियान सहायता योजना के हितग्राही भगवान दत्त ने बताया कि 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर उन्हें 20 हज़ार रुपये मिले जिससे उनको काफ़ी मदद मिली।इसी तरह दीप्ति विश्वकर्मा ने बताया उन्हें नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिला है। सभी हितग्राहियों ने छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यकम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत जिले की 113 महिलाओं को 20-20 हज़ार की राशि प्रदान की गई इस प्रकार योजना के तहत कुल 22.60 लाख रुपये प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत 918 बच्चों को 19.43 लाख, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 97 बुजुर्ग श्रमिकों को 19.40 लाख,मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत 89 बालिकाओं को 17.80 लाख, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 14 लाख, छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मण्डल अंतर्गत असंगठित कर्मकार मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 11 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की ।

संपादकीय

व्यापारिक समझौता, शब्दों का फेर या कूटनीतिक जीत?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते का अंतिम स्वरूप में पहुंचना अभी बाकी है, लेकिन इस बीच इसके अहम बिंदुओं के नफे-नुकसान के मसले पर जो बहस चल रही है, उसके असर भी सामने आ रहे हैं। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के शुरुआती स्वरूप में कई अन्य अमेरिकी वस्तुओं सहित कुछ दालों पर भी भारत की ओर से शुल्क कम या समाप्त करने की खबर आई थी।मगर भविष्य में भारतीय कृषि और किसानों पर इसका व्यापक असर पड़ने की आशंका जताई गई। अब अमेरिका की ओर से जारी नए तथ्य-पत्र में कई महत्त्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं और कुछ शब्दों में भी बदलाव किया गया है। मसलन, समझौते के प्रारूप में पहले जहां भारत की ओर से पांच सौ अरब डालर से अधिक मूल्य के अमेरिकी उत्पाद खरीदने को 'प्रतिबद्धता' बताया गया था।वहीं संशोधित संस्करण में इसे खरीदने के 'इरादे' के रूप में पेश किया गया है। यानी यह नियम अब भारत के लिए बाध्यकारी नहीं होगा। इसके अलावा, संशोधन के बाद समझौते के प्रारूप में से कई कृषि वस्तुओं, खासकर दालों को इस सूची से बाहर करने की खबर है। इसके बाद स्वाभाविक ही भारतीय कृषि क्षेत्र में अमेरिका की ओर से खड़ी होने वाली प्रतिस्पर्धा से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। यों भी, भारत दालों के मामले में विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।इसी वजह से खासतौर पर दालों को किसी भी व्यापार समझौते में कृषि क्षेत्र के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दा माना जाता रहा है। हाल ही में जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते में सहमति के स्तर तक पहुंचने की खबरें आई थीं, तब अमेरिका की ओर से शुल्क अठारह फीसद करने सहित इसके सकारात्मक पहलुओं की खासी चर्चा हुई थी। मगर कृषि तथा अन्य उत्पादों के संबंध में भारत के रुख को लेकर कई तरह की चिंता भी उभरी थी।यह आशंका जताई गई कि अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों तथा अन्य वस्तुओं को भारत में निर्बाध छूट दी गई, तो यहां के कृषि क्षेत्र पर इसका व्यापक असर पड़ेगा। इसीलिए किसानों की ओर से विरोध के स्वर भी उभरे। विपक्षी दलों ने भी ऊर्जा सुरक्षा और किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया।इन उतार-चढ़ावों के बीच व्यापार समझौते के प्रारूप में अब जिन बदलावों की खबर आई है, वह भारत के लिए सकारात्मक और राहत की बात साबित हो सकती है। इसमें कोई दोराय नहीं कि भारत और अमेरिका के बीच कारोबारी साझेदारी कसौटी पर तभी उचित साबित हो सकती है, जब इसमें परस्पर और समान हित पर आधारित शर्तें शामिल हों। अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मामले में अमेरिका और भारत की स्थिति को एक समान आधार पर नहीं देखा जा सकता।इसलिए दोनों देशों के बीच होने वाले समझौते में संतुलन के कारक संदर्भों पर निर्भर करेंगे।

केंद्रीय बजट विश्लेषण

स्पीड, स्केल और संकल्प का केंद्रीय बजट

सन् 2014 में प्रति व्यक्ति की आय 86647 रुपए सालाना थी, 2023 में बढ़कर 172000 रुपए सालाना हो गई, 2026 में लगभग 2.5 लाख से 2.72 लाख रुपए सालाना के बीच तक पहुंचने का अनुमान है, इस बीच में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी देश ने सामना किया। कोरोना के बावजूद 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 172000 रुपए सालाना, मतलब लगभग 9 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में, प्रधानमंत्री जी वैश्विक अनिश्चिताओं, वैश्विक उथल-पुथल, वैश्विक महामारी के बाद भी 172000 रुपए सालाना आय के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहे।

सीए अखिलेश जैन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ना तो छोटा सोचते हैं, ना छोटा करते हैं। स्पीड और स्केल अपने आप में भिन्न होती है। कार्यों के परिणाम भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी के लक्ष्य भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी कार्य शुरू करके उसको 100त्न तक पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह बात बिल्कुल सही है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में जब से देश की सत्ता संभाली है, देश के स्थापित लक्ष्यों को पीछे छोड़ते हुए जिस स्पीड और स्केल से कार्य किया है, रात दिन एक करके बिना विश्राम लिए, वह किसी भी विश्लेषक को आश्चर्यचकित करने के लिए पर्याप्त है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई वाली सरकार ने हमेशा निर्णायक रूप से, अस्पष्टता की जगह काम को, बातों की जगह सुधार को और लोक-लुभावन नीतियों की जगह लोगों को प्राथमिकता दी है।

सन् 2014 में प्रति व्यक्ति की आय 86647 रुपए सालाना थी, 2023 में बढ़कर 172000 रुपए सालाना हो गई, 2026 में लगभग 2.5 लाख से 2.72 लाख रुपए सालाना के बीच तक पहुंचने का अनुमान है, इस बीच में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी देश ने सामना किया। कोरोना के बावजूद 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 172000 रुपए सालाना, मतलब लगभग 9 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में, प्रधानमंत्री जी वैश्विक अनिश्चिताओं, वैश्विक उथल-पुथल, वैश्विक महामारी के बाद भी 172000 रुपए सालाना आय के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहे। यही प्रति व्यक्ति आय 2024 - 2025 में 235000 रुपए सालाना तक पहुंच गई। यही प्रधानमंत्री जी की अर्थनीति, स्पीड और स्केल है, यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

2014-15 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 98405 रुपए सालाना के लगभग थी, 2024 - 2025 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 234859 रुपए सालाना तक पहुंच गई। यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

भारत का कुल निर्यात 2013-14 के दौरान 465 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था जो 2024 - 2025 में भारत का कुल निर्यात 825.3 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। अर्थात् 11 वर्षों में भारत का निर्यात 177.5 त्न की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया। यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

मंदी के दौरान भी भारत ने पर्याप्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। मोदी सरकार के लगातार सुधारों एवं प्रयासों के परिणाम स्वरूप एफडीआई 2013-14 में लगभग 36 अरब अमेरिकी डॉलर था। 2024-25 में 80 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया, 222.23 त्न की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया। जो निवेशकों के निरंतर विश्वास और सेवा, डिजिटल, विनिर्माण एवं बुनियादी अवसंरचनात्मक क्षेत्रों में निवेश की तेज गति को दर्शाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति और 13 वर्षों बजट है।

2014 में हाई- स्पीड कॉरिडोर की लंबाई 550 किलोमीटर थी, वित्त वर्ष 2025- 2026 में दिसंबर तक 5,364 किलोमीटर हो गई है। लगभग दस गुना बढ़ गई है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है।

हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 थी, 2025 में 164 हो गई है। भारत घरेलू विमानन के क्षेत्र में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

नवीकरणीय ऊर्जा तथा संस्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत मार्च 2014 में 76.38 गीगावॉट पर था, नवंबर 2025 तक 253.96 गीगावाट हो गई, वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है और स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान पर है। कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पिछले दशक में तीन गुना से अधिक बढ़ गई है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

2014 में उच्च गति क्षमता वाली पटरियों की लंबाई 31,445 किमी थी, 2025 तक लगभग दोगुनी से भी ज्यादा होकर होकर 84,244 किमी हो गई है, जिससे राष्टीय रेल नेटवर्क के लगभग 80त्न हिस्से पर 110 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से परिचालन संभव हो पा रहा है।

उद्योग को समर्थन देना उद्योग को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होता है। इसलिए उच्च स्तरीय उच्च गति की रेल कॉरिडोर का विकास औद्योगिक क्षेत्र के लिए विशेष सहायक होगा।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने सभी महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र को हाई स्पीड रोड से जोड़ने का प्रयास किया है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है।

रक्षा बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ रुपये था, वर्ष 2026-27 में 7.85 लाख करोड़ रुपये हो गया है, अर्थात इसमें लगभग 5.32 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है, जो लगभग तीन गुना वृद्धि को दर्शाता है। इस बढ़े हुए प्रावधान के माध्यम से, सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में रणनीतिक बदलाव के साथ सशस्त्र बलों और उनकी क्षमताओं को दुनिया के उच्चतम मानकों में बदलने के अपने संकल्प की पुष्टि की है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में रुकावट और विदेशी विक्रेताओं की तुलना में घरेलू आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने ने आयात प्रतिस्थापन की आवश्यकता पर फिर से जोर दिया है और न केवल निर्वाह के लिए बल्कि भविष्य के आधुनिकीकरण के लिए स्वदेशीकरण की ओर बढ़ रहा है। यही मोदी जी का बजट है।

13 सालों के बजट की चर्चा इसलिए भी आवश्यक है कि आज देश जिस स्थिति में खड़ा है उस स्थिति को प्राप्त करने में कोई एक बजट महत्वपूर्ण नहीं है, आज की स्थिति जो भारत ने प्राप्त की है इस स्थिति को प्राप्त करने के लिए मोदी जी को विरासत में मिला भारत और विरासत को मोदी जी के द्वारा सजाया संवारा गया है। इन दोनों चीजों का परिणाम आज का वर्तमान भारत है और भविष्य का भारत आज के भारत से आगे के भारत के लिए की गई तैयारी का परिणाम होगा।

मोदी जी भारत को तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। तेज गति को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सुधारों पर बल दिया गया है। सरकार के प्राथमिकताओं में परिवर्तन किया गया है। सरकार ने युवा शक्ति को भविष्य का भारत बनाने के लिए तैयार करने डेवलप करने और नेतृत्व करने के लिए रचनात्मक प्रयास किए हैं। राजकोषीय अनुशासन, सतत् विकास, मुद्रास्फीति की दर को कम करने का शानदार प्रयास किया है। मोदी सरकार ने आत्मनिर्भरता को लक्ष्य मान करके घरेलू उत्पादन क्षमता को बढ़ाने का प्रयास किया है। ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास किया है। मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों को चला करके आयात पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है। सरकार की पूरी अर्थनीति का अगर विश्लेषण करेंगे तो उसके केंद्र बिंदुओं में सरकार का लक्ष्य आत्मनिर्भरता, रोजगारसृजन, कृषि उत्पादन क्षमता का विकास, नागरिकों की क्रय शक्ति का बढ़ना, नागरिकों के जीवन स्थान में सुधार लाना अपनाया गया है। सरकार ने 7त्न उच्च वृद्धि दर को सुनिश्चित करके गरीबी घटाने और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयासों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

जो देश कृषि उत्पादों को आयात करता था, अनाज की कमी से जुझता था, आज वही देश ढाई लाख करोड़ रुपए से अधिक के कृषि उत्पादों को निर्यात करता है, कितना फर्क है,

सरकार की अर्थ नीति कर्तव्य नीति ज्यादा दिखाई देती है। जिसके चलते सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकलने में सफलता प्राप्त की है।

इसलिए मोदी सरकार के बजट में, मोदी सरकार की अर्थनीति में, स्पीड और स्केल में, हर क्षेत्र की तरफ, नभ, जल और आकाश सभी तरफ नए कीर्तिमान स्थापित होते दिखते हैं। क्योंकि हमारे पूर्व की क्षमताओं से हम एक नए स्तर पर आ गए हैं। मोदी सरकार का लक्ष्य तो इससे कहीं ऊपर है। देश को वापस अपना खोया हुआ गौरव हासिल करना है। देश को विश्व की अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है। इसीलिए भारत विश्व का ग्लोबल ग्रोथ इंजन है। कोई भी इस विकास की दौड़ में पीछे ना छूटे, कोई भी विकास की भागीदारी में रह ना जाए, समग्र विकास के साथ-साथ समग्र दृष्टिकोण केवल भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री मोदी जी ही कर सकते हैं।

(लेखक- अखिलेश जैन सीए व भाजपा मप्र के प्रदेश कोषाध्यक्ष हैं)

एआई इम्पैक्ट सम्मिट 2026 के नीतिगत-समूहगत वैश्विक मायने

(कमलेश पांडे)

एआई इम्पैक्ट समिट को सात 'चक्रों' (फोकस एरियाज) में बांटा गया है, जो कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं और उच्च-स्तरीय बैठकों के रूप में आयोजित होंगे। पहला, डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज यानी सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती बनाना (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष)। दूसरा, वैश्विक प्रभाव चुनौतियां यानी समावेशी ‸द्व नवाचारों को प्रोत्साहन।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में 16-20 फरवरी 2026 को आयोजित एक प्रमुख वैश्विक आयोजन है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जिम्मेदार और समावेशी विकास पर केंद्रित है। यह समिट ग्लोबल साउथ के लिए पहला बड़ा‸द्व शिखर सम्मेलन है, जो 100+ देशों से 35,000+ प्रतिनिधियों को एकजुट कर रहा है। देखा जाए तो यह समिट इंडियाAI मिशन के तहत आयोजित हो रहा है, जिसमें राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, उद्योग नेता, शोधकर्ता और सिविल सोसाइटी शामिल होंगे।

वास्तव में यह आयोजन यूके एआई सेफ्टी सिमट सियूल एआई सिमट जैसे पूर्व आयोजनों की निरंतरता में वैश्विक‸एआई सहयोग को मजबूत करेगा। जिसका मुख्य थीम 'पीपुल, प्लैनेट, प्रोग्रेस' है। ये नीतियों को व्यावहारिक प्रभाव में बदलने पर जोर देता है। इस समिट का वैश्विक महत्व यह है कि एआई इम्पैक्ट समिट ‸द्व के लोकतंत्रीकरण पर फोकस करता है, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संसाधनों को सुलभ बनाने हेतु सक्रिय किया गया है।

वहीं, भारत की पूरक नवाचार क्षमता ग्लोबल एआई नेतृत्व स्थापित करने में मदद करेगी, साथ ही जिम्मेदार एआई शासन के मानकों को आकार देगी। इसमें 16 देशों के राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी आर्थिक कूटनीति और विकासशील राष्ट्रों की आवाज को मजबूत करेगी। इसकी प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं जो डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज वर्किंग ग्रुप (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष) सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती बनाने पर काम कर रहा है।

जहां तक इसके वैश्विक प्रभाव की बात है तो इससे जुड़ीं चुनौतियां समावेशी एआई नवाचारों को प्रोत्साहित करेंगी। लिहाजा यह समिट एआई को आर्थिक-रणनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित कर वैश्विक विभाजन को पाटेगा। दरअसल, एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का मुख्य एजेंडा एआई को जिम्मेदार, समावेशी और प्रभावी बनाने पर केंद्रित है, जो तीन सूत्रों–लोग , ग्रह और प्रगति पर आधारित है। यह एजेंडा एक्शन से इंपैक्ट की ओर बढ़ने पर जोर देता है, जिसमें नीतियों को व्यावहारिक बदलावों में बदलना शामिल है।

जहां तक इसके अपेक्षित परिणाम की बात है तो ये सत्र 100+ देशों के नेताओं, वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों को जोड़कर वैश्विक एआई शासन के मानक स्थापित करेंगे। यह समिट 16-20 फरवरी को नई दिल्ली में चल रहा है, जो ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को मजबूत करेगा।

दरअसल एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से अपेक्षित प्रमुख परिणाम जिम्मेदार एआई के वैश्विक मानकों को मजबूत करना और ग्लोबल साउथ के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा देना हैं। यह समिट मापने योग्य प्रभावों पर केंद्रित है, जैसे एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण और नीतिगत सहमति। इस दौरान नीतिगत समझौते भी होंगे।

इस समिट से‸एआई शासन के लिए सात कार्य समूहों (चक्रों) के माध्यम से ठोस प्रतिबद्धताएं अपेक्षित हैं, जिनमें डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज और सुरक्षित एआई पर फोकस शामिल है। वास्तव में ये समझौते स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में एआई अनुप्रयोगों का विस्तार सुनिश्चित करेंगे। जहां तक इसके आर्थिक-सामाजिक प्रभाव की बात है तो वैश्विक दक्षिण में कौशल विकास, सतत एआई समाधान और समावेशी नवाचारों को प्रोत्साहन मिलेगा, जो असमानताओं को कम करेगा। भारत के नेतृत्व में 100+ देशों की भागीदारी से आर्थिक कूटनीति मजबूत होगी। इसके दीर्घकालिक परिणाम भी सकारात्मक मिलेंगे। रिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक।इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मनोरंजन के नहीं मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिंव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंड़ी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है। इस तरह की घटनाएं देश दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के ही बच्चे या युवा आ रहे हो ऐसा है नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है।

हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क स संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया। दरअसल ऑनलाइन गेम खेल मनोस्थिति को इस कदर प्रीभावित कर देते हैं कि उठते बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरु किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं। दरअसल देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2002 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है। देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। दरअसल कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरु हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड़ फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के जुड़ने से हालात दिन प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चें ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चैलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि आदि गेमों ने सर्वाधिक प्रभावित किया है।

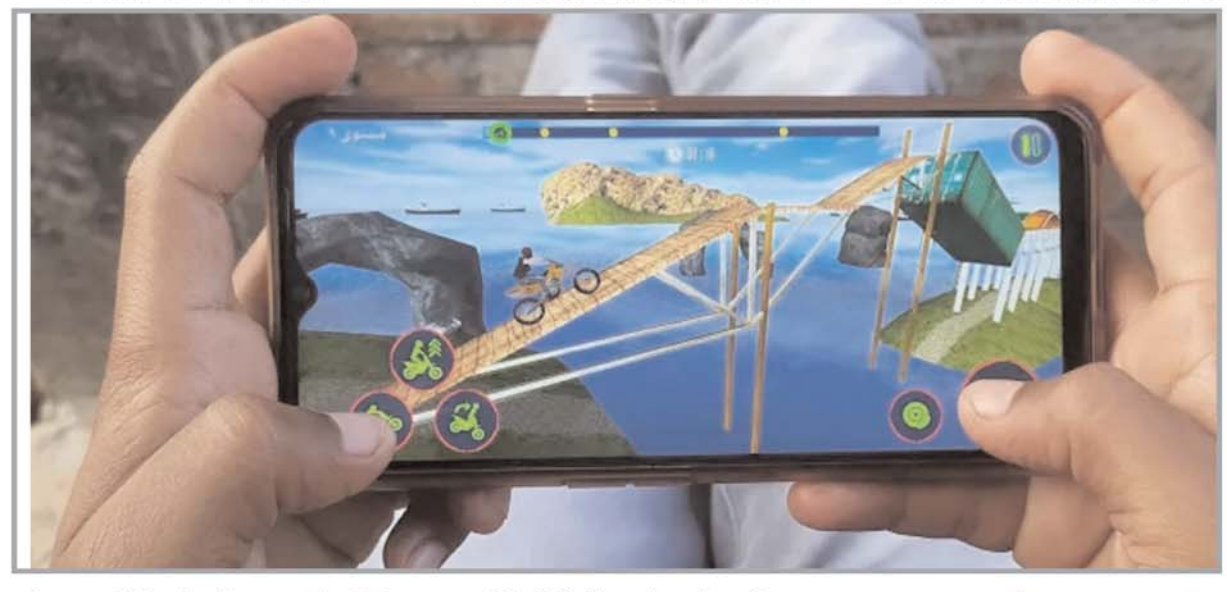

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिंव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। मजे की बात यह है कि 10-12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इन गेमों के चक्कर में अधिक आ रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है। 2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है कि इसी तरह से यह चलता रहा तो 2029 तक 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी की 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं। कुंठा, आक्रोश, संवेदनहीनता, तनाव आम होते जा रहे हैं। दरअसल समय आ गया है जब ऑनलाइन गेमिंग की समस्या का हल खोजा ही जाना चाहिए। अन्यथा हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर ही होंगे। ऑनलाइन गेमिंग बनाने वालों को तो एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक पैसा कमाना है उन्हें इसके दुष्प्रभावों से कोई लेना-देना नहीं होता। हांलांकि भारत सहित कुछ देशों की सरकारें सक्रिय हुई है। पर मनोवैज्ञानिकों को भी आगे आकर कोई समाधान खोजना होगा वहीं अभिभावकों, परिजनों व समाज का भी दायित्व हो जाता है। परिजनों को निरंतर निगरानी रखने, मोबाइल देखने की समय सीमा तय करने, किसी और रचनात्मक कार्य में लगाने, सामाजिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय करने और परंपरागत आउट डोर गेम्स के प्रति रुचि पैदा करने के ठोस प्रयास करने ही होंगे। सरकार को भी मौत की राह में ले जाने वाले गेम फोरमेट पर रोक लगाने के सख्त कदम उठाने ही होंगे।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

विधुत यांत्रिकी कर्मशाला से जिया डेरा गीदम रोड तक सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न

शहर में 04 करोड़ 81 लाख के सड़क निर्माण कार्य का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने किया भूमिपूजन

जगदलपुर। विधुत यांत्रिकी विभाग से जिया डेरा गीदम रोड तक से प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य का भूमिपूजन गुरुवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक श्री किरण देव एवं अन्य अतिथियों के करकमलों से विधिवत संपन्न हुआ।

विधुत यांत्रिकी विभाग कर्मशाला से जिया डेरा गीदम रोड 1 .47 किलोमीटर लागत 04 करोड़ 81 लाख रुपए लागत से निर्माण कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने कहा कि विधुत यांत्रिकी विभाग कर्मशाला से जिया डेरा गीदम रोड तक सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य से शहरवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग और क्षेत्र की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। जगदलपुर शहर का व्यवस्थम मार्ग में से एक है यह सड़क जिसके निर्माण से लोगों को काफी सुविधा होगी। सड़क चौड़ीकरण होने से आवागमन सुगम होगा तथा राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को राहत मिलेगी। श्री किरण देव ने कहा हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी के नेतृत्व में जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य लगातार जारी है। हमारी सरकार की मंशा है कि अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचे। शहर में जनता के मांग के अनुरूप विकास कार्य हो रहे हैं। श्री देव ने कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया । इस अवसर पर बेबरज कारपोरेशन अध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव,पूर्व महापौर सफीरा साहू,एमआईसी सदस्य निर्मल पाणिग्रही, सुरेश गुप्ता, लक्ष्मण झा, कलावती कसेर, त्रिवेणी रंधारी, श्वेता बघेल,पार्षद नरसिंह राव, आलोक अवस्थी,कुबेर देवांगन,बंसती समरथ,नेहा धुव,श्याम सुंदर बघेल, रोशन सिसोदिया,महिला मोर्चा अध्यक्ष महेश्वरी ठाकुर, मंडल अध्यक्ष प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिलाष यादव,विनय सोना, मनोहर तिवारी, आशुतोष पांडेय, राजपाल कसेर,अमर सांखला,रोशन झा,कार्यपालन अभियंता गोपाल भारद्वाज सहित पार्टी के कार्यकर्ता एवं पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बकावण्ड की ग्राम पंचायतों में लगी चौपाल, नोडल अधिकारियों ने मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण करने सहित ग्रामीणों से की चर्चा

जगदलपुर। जिले के बकावण्ड विकासखंड में शुक्रवार को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रशासन ने एक व्यापक अभियान चलाया। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह के निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष निरीक्षण एवं जनसमस्या निवारण शिविर के तहत जिला प्रशासन के अधिकारी सुबह 10 बजे से ही अपनी-अपनी आबंटित पंचायतों में सक्रिय नजर आए। अधिकारियों के इस दल ने ग्राम पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं सहित आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और उचित मूल्य दुकानों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विशेष रूप से बच्चों को दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, पूरक पोषण आहार की उपलब्धता और हर घर नल-जल जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया ताकि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों को लाभ मिल सके। ग्राम पंचायतों में निरीक्षण के बाद दोपहर में सभी पंचायत भवनों में आयोजित चौपाल के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ सीधे रूबरू होकर उनकी शिकायतों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। जहां ग्रामीणों ने सामाजिक सहायता, टीकाकरण, मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं से जुड़ी अपनी बातें अधिकारियों के समक्ष रखीं। गौरतलब है कि इस शिविर की सफलता के लिए एक सप्ताह पूर्व से ही गांवों में मुनादी करवाकर ग्रामीणों को सूचित किया गया था, ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी समस्याओं का निराकरण करा सकें। वहीं इस पूरे अभियान की समीक्षा हेतु शाम साढ़े 4 बजे जनपद मुख्यालय बकावंड स्थित सद्भावना भवन में सहायक कलेक्टर श्री विपिन दुबे द्वारा सभी अधिकारियों की बैठक में हरेक ग्राम पंचायतों की विस्तृत जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ग्रामीण अंचलों में नेटवर्क विस्तार पर सांसद कश्यप और नाग ने दिए निर्देश

दूरसंचार सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर बीएसएनएल दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

दूरसंचार व्यवस्था सुधारने मैदान में उतरे सांसद महेश कश्यप और भोजराज नाग

जगदलपुर : आज जगदलपुर स्थित अविनाश इंटरनेशनल में भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) बस्तर परिक्षेत्र दूरसंचार सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बस्तर सांसद एवं दूरसंचार सलाहकार समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप ने की। इस अवसर पर कांकेर सांसद एवं समिति सदस्य भोजराज नाग भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।बैठक में बस्तर एवं कांकेर संसदीय क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में नेटवर्क कवरेज बढ़ाने, नए मोबाइल टावरों की स्थापना, इंटरनेट सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, 4जी सेवाओं के विस्तार तथा उपभोक्ता शिकायतों के त्वरित निराकरण जैसे अहम विषय बैठक के प्रमुख बिंदु रहे।सांसद महेश कश्यप ने कहा कि मजबूत संचार व्यवस्था क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक कार्यों और सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नेटवर्क समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।कांकेर सांसद भोजराज नाग ने कहा कि दूरस्थ एवं आदिवासी अंचलों में बेहतर कनेक्टिविटी से डिजिटल सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचेगा और शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव होगा।बैठक में उपस्थित बीएसएनएल अधिकारियों ने अवगत कराया कि नेटवर्क अपग्रेडेशन एवं सेवा सुधार से संबंधित कार्य निरंतर प्रगति पर है और आने वाले समय में क्षेत्रवासियों को और बेहतर दूरसंचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

नवीन तेंदूपत्ता नीति पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित, शाखकर्तन, संग्रहण एवं अग्नि सुरक्षा को लेकर दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश

एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन बांसागार डिपो, बीजापुर में किया गया

बीजापुर नवीन तेंदूपत्ता नीति के तहत सीजन-2026 में तेंदूपत्ता शाखकर्तन एवं वनों को अग्नि से सुरक्षा के संबंध में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन बांसागार डिपो, बीजापुर में किया गया। कार्यक्रम में आरके जांगड़े वनमण्डलाधिकारी एवं प्रबंध संचालक, वनमण्डल बीजापुर सहित अध्यक्ष एवं सदस्य संचालक मण्डल, जिला यूनियन बीजापुर, उपवनमण्डलाधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी, वनमण्डल एवं इंद्रावती टाइगर रिजर्व बीजापुर के अधिकारी-कर्मचारी, प्रबंधक, फड़मुंशी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शाखकर्तन से पहले आवश्यक तैयारियों पर जोर-कार्यशाला को संबोधित करते हुए आरके जांगड़े ने विभागीय संग्रहण से पूर्व फड़ चयन, फड़ों का जीपीएस नंबर अंकन, फड़ स्थल की सफाई, स्थानीय पंच/सरपंच के मोबाइल नंबर संधारण, स्थानीय वाहन मालिकों की जानकारी, फड़ का रूट प्लान तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बोराभर्ती गैंग के प्रशिक्षण, वैज्ञानिक तरीके से शाखकर्तन तथा शाखकर्तन उपरांत कटे हुए बुटों को थोड़ी दूरी पर फेंकने की प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया, ताकि संभावित आगजनी से तेंदूपत्ता उत्पादन क्षेत्र को नुकसान न पहुंचे।

संग्रहण की चुनौतियों और समाधान पर चर्चा

जिला यूनियन बीजापुर के अध्यक्ष सीताराम मांझी सहित संचालक मंडल के सदस्य श्री शिवराम मोड़ियामी, बुधु हेमला, रामा कट्टम, अर्जुन वडदी एवं पी चन्द्रैया ने तेंदूपत्ता शाखकर्तन एवं संग्रहण से जुड़े अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

उपवन मण्डलाधिकारी आवापल्ली प्रकाश कुमार नेताम ने वर्ष 2025 के संग्रहण कार्य में आई कठिनाइयों और उनके समाधान पर प्रकाश डाला। वहीं उपवन मण्डलाधिकारी भोपालपटनम नीतिश रावटे ने शाखकर्तन से लेकर स्थायी गोदाम में भंडारण तक की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

वनों की अग्नि सुरक्षा पर विशेष मार्गदर्शन

उपवनमण्डलाधिकारी बीजापुर देवेन्द्र गौड़ ने वनों को अग्नि से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियों एवं रणनीतियों की जानकारी दी। साथ ही उपस्थित परिक्षेत्र अधिकारियों, प्रबंधकों एवं फड़मुंशियों ने भी शाखकर्तन और अग्नि सुरक्षा से संबंधित अपने विचार साझा किए। कार्यशाला में आगामी सीजन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सफल बनाने के लिए समन्वित प्रयासों पर विशेष बल दिया गया।

तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतियोगिता शुरू, पहले मैच में उत्तर प्रदेश ने गंगालूर को हराया

बीजापुर में वॉलीबॉल का बड़ा आयोजन, देशभर की टीमें ले रहीं हिस्सा

बीजापुर। जिले के मिनी स्टेडियम में बिते बुधवार से अखिल भारतीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता की शुरुआत हो गई। खेल एवं युवा कल्याण विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस तीन दिवसीय आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के चलते शहर में खेल प्रेमियों के बीच खासा उत्साह देखा जा रहा है। टूर्नामेंट में इनकम टैक्स महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, जबलपुर रेलवे, छत्तीसगढ़ पुलिस, साई तमिलनाडु, उड़ीसा और तेलंगाना की टीमें मैदान में उतरी हैं। पहले दिन से ही मुकाबले तेज और प्रतिस्पर्धी नजर आए। खिलाड़ियों के दमदार सर्व, मजबूत ब्लॉक और आक्रामक स्मैश ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं वॉलीबॉल संघ के प्रदेश अध्यक्ष महेश गागड़ा, जिला पंचायत की सीईओ नम्रता चौबे, जिला पंचायत सदस्य शंकरैया माड़वी और मथियास कुजूर, सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी, डिप्टी कलेक्टर, जिला खेल अधिकारी नारायण प्रसाद गवेल तथा एसडीएम जागेश्वर कौशल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और खेल प्रेमी मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।उद्घाटन मुकाबला गंगालूर और उत्तर प्रदेश की टीम के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन अंत में उत्तर प्रदेश ने जीत दर्ज की।

खिलाड़ियों की ऊर्जा और तालमेल ने संकेत दे दिया है कि आने वाले मुकाबले और भी दिलचस्प होंगे।आयोजन से न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिल रहा है, बल्कि जिले में खेल संस्कृति को भी नई पहचान मिल रही है। अगले दो दिनों तक मिनी स्टेडियम खेल उत्साह और प्रतिस्पर्धा का केंद्र बना रहेगा।

समग्र शिक्षा एवं समाज कल्याण विभाग की संयुक्त पहल से बहुदिव्यांग छात्रा गुंजन को मिली नई राह

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक शाला सलिहापारा तुएगुहन की कक्षा दूसरी की बहुदिव्यांग छात्रा कु. गुंजन सुरेंद्र को आज समग्र शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में व्हीलचेयर एवं एमआर किट प्रदान की गई।समग्र शिक्षा विभाग द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। दोनों विभागों के समन्वित प्रयास से गुंजन को यह आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई, जिससे अब वह नियमित रूप से विद्यालय आ-जा सकेगी। व्हीलचेयर मिलने से छात्रा के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। पूर्व में परिजनों को उसे गोद में उठाकर विद्यालय लाना पड़ता था, जिससे काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब इस सुविधा से न केवल पढ़ाई सुचारु होगी, बल्कि छात्रा का आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी।

चित्रकोट महोत्सव 2026 : बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक कला के संगम से गुंज उठा 'नियाग्रा' का तट

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात के समीप मेला स्थल में बुधवार को 'चित्रकोट महोत्सव 2026' का शानदार आगाज़ हुआ, जहाँ बस्तर की माटी की सोंधी खुशबू और लोक कलाओं के विविध रंगों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। चित्रकोट महोत्सव 2026 के शुभारंभ के अवसर पर सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास की दिशा में सरकार प्रयास किया जा रहा है। सरकार द्वारा सांस्कृतिक, कला और खेल गतिविधि के माध्यम पर्यटन स्थल में चित्रकोट महोत्सव को बढ़ावा दिया जा रहा है । विधायक चित्रकोट श्री विनायक गोयल, केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री दिनेश कश्यप ने भी संबोधित करते हुए चित्रकोट महोत्सव एक सांस्कृतिक महोत्सव के लिए समृद्ध जनजाति संस्कृति का प्रतीक है। शासन द्वारा आयोजित इस समारोह में दो दिवसीय महोत्सव में खेलगतिविधि, कला संस्कृति, पर्यटन को बढ़ाने का प्रयास है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बलदेव मंडावी, नगर पालिक निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन, जनपदों के अध्यक्ष, सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधि, सहित आईजी श्री सुंदरराज पी, सीसीएफ श्री आलोक तिवारी, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन, वन मंडलाधिकारी श्री उत्तम गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे । महोत्सव के प्रथम दिन की शुरुआत स्थानीय स्कूली छात्र-छात्राओं की ऊर्जावान प्रस्तुतियों के साथ हुई। सेजेस अलनार और अंग्रेजी माध्यम स्कूल धाराउर के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वहीं प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास गढ़िया और चित्रकोट सहित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की छात्राओं ने लोक संस्कृति पर आधारित नृत्यों से कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। स्कूली कलाकारों की इन प्रस्तुतियों ने मंच पर एक ऐसी जीवंतता पैदा की, जिसने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। अतिथियों ने स्कूली बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया । जैसे-जैसे शाम ढलती गई, महोत्सव का मंच बस्तर की पारंपरिक पहचान और जनजातीय गौरव का गवाह बना। आंजर के कलाकारों ने जब अपने पारंपरिक 'गौर नृत्य' और लोहण्डीगुड़ा के कलाकारों ने 'परब नृत्य' की प्रस्तुति दी, तो पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। इसके पश्चात तोकापाल के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत 'ककसाड़ नृत्य' और बकावण्ड के 'नाट परब' ने दर्शकों को बस्तर की प्राचीन परंपराओं और लोक गाथाओं से रूबरू कराया।

इन नृत्यों में छिपी ऊर्जा और लयबद्धता ने यह सिद्ध कर दिया कि बस्तर की लोक कला आज भी अपनी जड़ों से पूरी मजबूती के साथ जुड़ी हुई है। सांस्कृतिक संध्या का आकर्षण तब और बढ़ गया जब शास्त्रीय और आधुनिक कला का अनूठा संगम मंच पर दिखाई दिया। जेनिसा देवांगन और निधि रावल के सुरीले गायन के बाद धुर्विका शर्मा, गीतिका चक्रधर और समृद्धि शर्मा ने अपने सधे हुए 'कथक नृत्य' से मंच पर एक शास्त्रीय गरिमा बिखेरी। स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के क्रम में 'बस्तर विट्स म्यूजिकल ग्रुप' और वंदना पॉल की प्रस्तुतियों ने संगीत प्रेमियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। विशेष रूप से लोक कला मंच 'चिरैया' कोंडागांव की वृहद प्रस्तुति ने छत्तीसगढ़ी लोक विधाओं का ऐसा ताना-बाना बुना कि दर्शक अपनी सीटों से बंधे रहे। कार्यक्रम का समापन 'लाइव बैंड जुनूनियत' की धमाकेदार परफॉरमेंस के साथ हुआ, जिसने युवा दर्शकों के बीच जबरदस्त जोश भर दिया। आधुनिक वाद्ययंत्रों की धुन और लोक धुनों के इस फ्यूजन ने महोत्सव की पहली शाम को एक यादगार मोड़ पर लाकर खड़ा किया। प्रशासन द्वारा की गई चाक-चौबंद व्यवस्था और स्थानीय कलाकारों के इस महाकुंभ ने चित्रकोट महोत्सव को न केवल एक आयोजन, बल्कि बस्तर की अस्मिता के उत्सव के रूप में स्थापित कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

बेख़ौफ़ दौड़ रहे रेत से लदे भारी वाहन, प्रशासन की अनदेखी पर उठे सवाल

बिलासपुर। शहर की सड़कों पर इन दिनों रेत और बिल्डिंग मटेरियल से लदे भारी वाहनों की आवाजाही आम होती जा रही है। मुख्य मार्गों और व्यस्त चौक-चौराहों पर हाईवा और ट्रैक्टर बेख़ौफ़दौड़ते नजर आ रहे हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। ताज़ा मामला बिलासपुर शहर के अशोकनगर चौक स्थित सीपत रोड, सरकंडा क्षेत्र का है। यहां नो-एंट्री के समय भी भारी वाहन बेधड़क सड़कों पर फर्राटा भरते देखे जा सकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन वाहनों के मालिकों और चालकों को न तो प्रशासन का कोई भय है और न ही आम नागरिकों की सुरक्षा की चिंता। प्रतिदिन स्कूल जाने वाले बच्चे, दफ्तर आने-जाने वाले कर्मचारी और आम राहगीर इन भारी वाहनों के बीच से गुजरने को मजबूर हैं। सड़क सुरक्षा नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि नो-एंट्री समय में सख्ती से भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई जाए और नियमित जांच अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। अब देखने वाली बात यह है कि प्रशासन समय रहते कार्रवाई करता है या फिर किसी बड़े हादसे के बाद ही सख्ती दिखाई जाएगी।

शालीमार-एलटीटी -शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-03 कोच की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 18030/18029 शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है 7 यह सुविधा दिनांक 21 से 27 फरवरी 2026 तक शालीमार से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में उपलब्ध रहेगी 7 इसी प्रकार दिनाँक 23 से 28 फरवरी व 01 मार्च 2026 को एलटीटी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी - शालीमार एक्सप्रेस में उपलब्ध रहेगी । इस सुविधा से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे ।

उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के व्यास नगर-काशी सेक्शन के मध्य ऑटोमेटिक सिग्नलिंग के कार्य के फलस्वरूप कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा

बिलासपुर। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के व्यास नगर-काशी सेक्शन के मध्य ऑटोमेटिक सिग्नलिंग का कार्य किया जाएगा जिसके फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा । दिनाँक 25 फरवरी 2026 को गोंदिया से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया चुनार-प्रयागराज-फाफ मऊ- जंघई-जौनपुर होकर बरौनी जायेगी । दिनाँक 25 फरवरी 2026 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18201 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया मानिकपुर-प्रयागराज-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़- सुल्तानपुर-अयोध्या धाम-गोरखपुर होकर नौतनवा जायेगी ।

विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका कन्हार का विमोचन

ट्रांजैक्शन नहीं, ट्रांसफॉर्मेशन बने जीवन का लक्ष्य-राज्यपाल

- समग्र विकास की राह में ड्रॉपआउट बड़ी चुनौती, राष्ट्रीय शिक्षा नीति से मिलेगा नया मार्ग
- अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में कुलपतियों के सम्मेलन का किया उद्घाटन

बिलासपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में ट्रांसफॉर्मिंग यूनिवर्सिटीज फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट विषय पर आयोजित कुलपतियों के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में देश और प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुल 42 कुलपतियों और पूर्व कुलपतियों ने भाग लिया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से जीवन में सकारात्मकता बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि अपने संपूर्ण जीवन में कोई एक ऐसा कार्य करें कि जिसमें केवल ट्रांजैक्शन नहीं, बल्कि ट्रांसफॉर्मेशन का भाव हो। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका कन्हार का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के कुलपति आचार्य एडीएन वाजपेयी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री गिरीश चंद्र त्रिपाठी, कुल सचिव श्री तारणीश गौतम सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद थे। राज्यपाल श्री डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था अत्यंत समृद्ध और मूल्यनिष्ठ थी, किंतु औपनिवेशिक काल में लॉर्ड मैकाले की नीतियों के कारण इसकी दिशा परिवर्तित हुई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय मूल्यों और समग्र विकास की अवधारणा को पुनर्स्थापित करने का सशक्त प्रयास है। इसकी विशेषताओं को समाज तक पहुँचाना तथा प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं रहे बल्कि विचार, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के केंद्र हैं। कुलपति शैक्षणिक नेतृत्व के संवाहक हैं, जिनके निर्णय आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। उन्होंने शैक्षणिक सुशासन, गुणवत्ता आश्वासन, शोध एवं नवाचार तथा डिजिटल परिवर्तन पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि समग्र विकास की दिशा में स्कूल कॉलेजों में ड्रॉपआउट की समस्या सबसे बड़ी चुनौती है। जब तक विद्यार्थी शिक्षा से निरंतर जुड़े नहीं रहेंगे, तब तक किसी भी नीति का उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता। डिजिटल युग का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ऑनलाइन संसाधन और डेटा विश्लेषण उच्च शिक्षा के महत्वपूर्ण उपकरण हैं। इनका उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए, साथ ही मानवीय मूल्यों को भी सुदृढ़ बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने शोध और नवाचार को विश्वविद्यालयों की आत्मा बताते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान से ही आत्मनिर्भर भारत की नींव सशक्त होगी। विश्वविद्यालयों को उद्योग, समाज और शासन के साथ समन्वय स्थापित कर नवाचार की संस्कृति विकसित करनी चाहिए। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य ए.डी.एन. वाजपेयी ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम निर्माण, दीक्षांत समारोहों के आयोजन तथा समयबद्ध परीक्षा परिणामों में विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने बिलासपुर यार्ड रिमॉडलिंग कार्यों का गहन निरीक्षण किया

बिलासपुर। श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने आज बिलासपुर यार्ड का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण में बिलासपुर यार्ड में चल रहे यार्ड रिमॉडलिंग कार्यों की प्रगति की समीक्षा तथा कार्यों को समयबद्ध, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया गया । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने आरआरआई और सिग्नलिंग गुमटी से संबन्धित कार्यों का गहन अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों से तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ड्रॉइंग एवं लेआउट के माध्यम से यार्ड रिमॉडलिंग से संबंधित विभिन्न चरणों, ट्रैक व्यवस्था, सिग्नलिंग प्रणाली तथा भविष्य की परिचालन आवश्यकताओं की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने तथा निर्माण के प्रत्येक चरण में सुरक्षा मानकों, संरक्षा नियमों और गुणवत्ता नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने पर ज़ोर दिया । यार्ड रिमॉडलिंग पूर्ण होने के उपरांत रेल परिचालन अधिक सुगम, सुरक्षित एवं कुशल होगा, जिससे माल एवं यात्री ट्रेनों के संचालन में उल्लेखनीय सुधार आएगा। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक सहित संबन्धित विभागों के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान कार्यों से संबन्धित विभागों के बीच समन्वय के साथ कार्य करने तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी अथवा परिचालन चुनौती का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मरवाही में विधायक ने सोनोग्राफी जांच केंद्र का किया शुभारंभ.....

गौरेला पेंड्रा मरवाही। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मरवाही में विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची ने शुक्रवार को सोनोग्राफी जांच केंद्र का फीता काटकर एवं पूजा-अर्चना के साथ विधिवत शुभारंभ किया। विधायक श्री मरपची शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर उन्होंने खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. हर्षवर्धन मेहर को सोनोग्राफी लाइसेंस भी प्रदान किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी के प्रयासों से सोनोग्राफी केंद्र के प्रारंभ होने से क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को अब स्थानीय स्तर पर ही जांच सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें जिला मुख्यालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और समय व खर्च दोनों की बचत होगी। उद्घाटन अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराधा विश्वास द्वारा 6 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी जांच कर रिपोर्ट प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा ने कहा कि यह सोनोग्राफी सुविधा गर्भवती महिलाओं के समय पर परीक्षण में सहायक होगी तथा मातृ मृत्यु दर को कम करने में मील का पत्थर साबित होगा।कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री विभा टोप्पो, जे.पी. सिंह, अरविंद कुमार, संतोष सोनी, नरेश्वर दास, सीपी गढ़ेवाल, अंबर जायसवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बिलासपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से लॉ स्टूडेंट्स, एमएसडब्ल्यू स्टूडेंट्स एवं युवोदय वॉलंटियर्स के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभा भवन में किया गया। यह कार्यशाला विशेष रूप से लॉ स्टूडेंट्स, एमएसडब्ल्यू स्टूडेंट्स एवं युवोदय वॉलंटियर्स के लिए आयोजित की गई थी। जिले के विभिन्न विकासखंडों से प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया था और प्रशिक्षण का मुख्य फोकस इन्हीं पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम बाल विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। प्रशिक्षण मुख्य रूप से लॉ स्टूडेंट्स, एमएसडब्ल्यू स्टूडेंट्स एवं युवोदय वॉलंटियर्स को प्रदान किया गया, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बाल विवाह की रोकथाम, बाल संरक्षण मामलों की पहचान तथा आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से समझकर जागरूकता एवं सहयोग की भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर श्री शशांक शर्मा एवं एनी रोज टोडर द्वारा प्रतिभागियों को विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। सत्र में बाल विवाह से संबंधित कानूनी प्रावधान, फोस्टर केयर एवं स्पॉन्सरशिप की प्रक्रिया, जोखिमग्रस्त बच्चों की पहचान, समय पर रिपोर्टिंग एवं विभागीय समन्वय जैसे विषयों पर स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया गया।कार्यशाला में स्कूल के छात्र-छात्राओं की भी उपस्थिति रही, जिससे जागरूकता का सकारात्मक वातावरण बना। साथ ही डीसीपीयू विभाग के सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने भी अपने स्तर से मार्गदर्शन साझा किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं वॉलंटियर्स को सशक्त बनाना था, ताकि वे अपने क्षेत्र में बाल विवाह मुक्त समाज की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा सकें तथा बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत करने में सहयोगी बन सकें।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महिला हैंडबॉल टीम ने रचा इतिहास

- वाराणसी में 18वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे हैंडबॉल प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक
- लगातार चार कांस्य के बाद इस वर्ष 'चैंपियन' बनीं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बेटियां

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महिला हैंडबॉल टीम ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और अदम्य आत्मविश्वास का परिचय देते हुए 18वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे हैंडबॉल प्रतियोगिता 2026 का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया है। 18 से 21 फरवरी 2026 तक वाराणसी में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे को पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया। फाइनल मैच में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला अंत तक बेहद रोमांचक बना रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में बेहतर रणनीति और मजबूत मानसिक संतुलन का प्रदर्शन करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 32-29 के अंतर से विजय प्राप्त की और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इससे पूर्व सेमीफाइनल में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर पूर्व रेलवे को 28-26 के करीबी स्कोर से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। यह उपलब्धि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रबंधन की खेलों के प्रति दूरदर्शी सोच और सतत प्रयासों का परिणाम है। वर्ष 2021 से खेल को बढ़ावा देने हेतु की गई नई नियुक्तियों तथा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराए गए उत्कृष्ट प्रशिक्षण एवं सुविधाओं ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गौरतलब है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महिला हैंडबॉल टीम पिछले चार वर्षों से लगातार ऑल इंडिया स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही थी। टीम ने पिछले चार संस्करणों में लगातार चार कांस्य पदक जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस वर्ष टीम ने अपने प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाते हुए सीधे स्वर्ण पदक जीतकर 'चैंपियन' का ताज अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे श्री तरुण प्रकाश, अपर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार साहू, अध्यक्ष/सेक्रसा श्री मनीष अग्रवाल, महासचिव/ सेक्रसा श्री हेमेन्द्र कुमार, संयुक्त महासचिव/सेक्रसा श्री समीर कान्त माथुर, संरक्षक अधिकारी/सेक्रसा श्री तन्मय महेश्वरी सहित समस्त सेक्रसा परिवार ने टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की यह उपलब्धि न केवल संगठन के लिए गर्व का विषय है।

समर्पण की मिसाल: सिलदहा के प्रधानपाठक शिवकुमार छत्रवाणी

बिलासुपर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड अंतर्गत ग्राम सिलदहा में पदस्थ प्रधानपाठक शिव कुमार छत्रवाणी ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अनेक सम्मान प्राप्त किए हैं। वर्ष 2025 में उन्हें प्रतिष्ठित राज्यपाल शिक्षक सम्मान से अलंकृत किया गया है। प्रधानपाठक शिव कुमार छत्रवाणी की उपलब्धियाँ उनके दीर्घकालीन समर्पण और नवाचारों का परिणाम हैं। उन्हें वर्ष 2001 में रतनपुर नगर स्तरीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान, 2005 में विकासखंड स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान तथा 2006 में जिला स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 2022 में विधायक कोटा द्वारा उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान, 'पढ़ाई तुहर द्वार 2.0' में उत्कृष्ट कार्य हेतु कलेक्टर सम्मान तथा मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण सम्मान से नवाज़ा गया। वर्ष 2024 में उन्हें अखिल भारतीय सूर्यांश शिक्षा समिति, छत्तीसगढ़ द्वारा उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान, लोक कला रहस रासलीला छत्तीसगढ़ राज्य गौरव रत्न, शिक्षा सागर फाउंडेशन गुजरात राज्य का हेमभद्राचार्य राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान तथा गौ रक्षा शक्तिधाम सेवार्थ फाउंडेशन, इंदौर द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान प्राप्त हुआ। साथ ही, श्री सुन्दर सदन परिवार, चकरभाठा बिलासपुर द्वारा शिक्षक सम्मान 2024-25 से भी सम्मानित किया गया। प्रधानपाठक शिव कुमार छत्रवाणी ने विद्यालय विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्ष 2005 में विद्यालय परिसर में हैंडपम्प स्थापना, 80 मीटर बाउंड्री वॉल निर्माण, चलित नल जल टंकी की व्यवस्था तथा सांस्कृतिक मंच और चबूतरे का निर्माण कराया। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल पुरस्कार की राशि से भी विद्यालय में सांस्कृतिक मंच का निर्माण कराया गया। उन्होंने पूर्व व्यावसायिक प्रशिक्षण के अंतर्गत झाड़ू, सूपा, टोकरी और दोना-पत्तल निर्माण जैसे कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए। वर्ष 2021 से अब तक वे प्रतिवर्ष अपने व्यक्तिगत व्यय से सभी छात्र-छात्राओं को जूते, मोज़े, टाई, बेल्ट और आई-कार्ड उपलब्ध करा रहे हैं। सामाजिक सरोकारों में भी उनकी भूमिका सराहनीय रही है। गाँव में नशामुक्ति अभियान चलाकर लगभग 80 प्रतिशत तक सफलता प्राप्त की गई है। 'घर-घर पढ़ाई कोना' एवं पालक संपर्क अभियान के माध्यम से शिक्षा को घर-घर तक पहुँचाया जा रहा है। साथ ही, प्रसार भारती के अंतर्गत आकाशवाणी बिलासपुर से समय-समय पर बच्चों के कार्यक्रमों का प्रसारण भी किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को मंच और प्रोत्साहन मिल रहा है। इतना ही नहीं, अब तक पाँच बच्चों को विभिन्न दुर्घटनाओं से सुरक्षित बचाने में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है। प्रधानपाठक शिव कुमार छत्रवाणी का यह समर्पण न केवल शिक्षा जगत के लिए प्रेरणा है, बल्कि समाज के लिए भी एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है।

निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण संपन्न

गौरेला पेंड्रा मरवाही। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिला गौरेला पेण्ड्रा मरवाही में 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने कलेक्ट्रेट के अरपा सभाकक्ष में राजनीतिक दलों की बैठक लेकर एसआईआर के संबंध में जानकारी दिए। कलेक्टर ने इस अभियान को सफल बनाने में जिले के नागरिकों, निर्वाचन अधिकारियों, कर्मचारियों, बूथ लेवल अधिकारियों तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बधाई दी और आभार व्यक्त किया।

भगवान गणेश के ढुण्ढिराज स्वरूप की पूजा

हर माह शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर विनायक गणेश चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। यह दिन भगवान गणेश की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि चतुर्थी तिथि के अधिष्ठाता स्वयं गणपति हैं। उन्हें बुद्धि, विवेक, सुख-समृद्धि और मंगल के देवता के रूप में पूजा जाता है। प्रथम पूज्य श्रीगणेश की उपासना करने से जीवन के विघ्न दूर होते हैं, कार्यों में सफलता मिलती है और ज्ञान व धन की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं कि फरवरी 2026 में विनायक चतुर्थी कब है, पूजा का शुभ समय क्या रहेगा और वर्जित चंद्र दर्शन का समय कब तक है।

विनायक चतुर्थी 2026 तिथि

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को ढुण्ढिराज चतुर्थी भी कहा जाता है। मत्स्यपुराण में इसे मनोरथ चतुर्थी के नाम से वर्णित किया गया है। इस दिन भगवान गणेश के ढुण्ढिराज स्वरूप की पूजा की जाती है। वर्ष 2026 में विनायक चतुर्थी का व्रत 21 फरवरी, शनिवार को रखा जाएगा।

चतुर्थी तिथि और पूजा मुहूर्त

दृक पंचांग के अनुसार, चतुर्थी तिथि का आरंभ 20 फरवरी 2026 को दोपहर 2:38 बजे होगा और इसका समापन 21 फरवरी को दोपहर 1 बजे होगा। मध्याह्न पूजा मुहूर्त 21 फरवरी को सुबह 11:27 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। मान्यता है कि इस समय गणेश पूजन करने से शीघ्र शुभ फल प्राप्त होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

विनायक चतुर्थी पर पूजन विधि

प्रात: ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। व्रत और पूजा का संकल्प लें। सोना, चांदी, तांबा, पीतल या मिट्टी की गणेश प्रतिमा स्थापित करें। गणेश जी को सिंदूर अर्पित करें और 21 दूर्वा चढ़ाएं। लड्डू या मोदक का भोग लगाएं। "ॐ गं गणपतये नम:" मंत्र या गणेश जी के 12 नामों का जप करें। अन्न, मूंग, वस्त्र या धन का दान जरूरतमंदों को दें। शाम के समय पुन: आरती करें और फिर व्रत खोलें। इस प्रकार विधि-विधान से किया गया विनायक चतुर्थी व्रत जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आता है।

वर्जित चंद्र दर्शन का समय

चतुर्थी तिथि में चंद्र दर्शन वर्जित माना जाता है। 20 फरवरी को दोपहर 2:38 बजे से रात 9:12 बजे तक चंद्र दर्शन से बचें। 21 फरवरी को सुबह 08:56 बजे से रात 10:16 बजे तक चंद्रमा न देखें।

फेसपैक त्वचा को डीप क्लीन करने में मददगार

आजकल धूल-मिट्टी, पॉल्यूशन, स्ट्रेस और गलत लाइफस्टाइल का असर सबसे पहले हमारी त्वचा पर दिखता है। स्किन डल, थकी हुई और बेजान लगने लगती है। ऐसे में महंगे प्रोडक्ट्स के बजाय घर पर बने नेचुरल फेसपैक ना सिर्फ सुरक्षित होते हैं, बल्कि लंबे समय में स्किन को हेल्दी भी बनाते हैं। यह DIY फेसपैक त्वचा को डीप क्लीन करने, हल्का एक्सफोलिएशन देने और नेचुरल ब्राइटनेस बढ़ाने में मदद करता है।

फेसपैक में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और उनके फायदे

- **मुल्तानी मिट्टी:** त्वचा से अतिरिक्त ऑयल और गंदगी को सोखने में मदद करती है। पोर्स को क्लीन कर स्किन को फ्रेश बनाती है।
- **कद्दूकस किया हुआ टमाटर:** नेचुरल क्लीनजर की तरह काम करता है। डलनेस कम करने और स्किन टोन को इवन करने में सहायक है।
- **कॉफी:** हल्का एक्सफोलिएशन देती है, जिससे डेड स्किन सेल्स हटते हैं और स्किन स्मूद दिखती है।
- **शहद:** नेचुरल मॉइस्चराइजर है। स्किन को हाइड्रेट रखता है और सॉफ्टनेस बढ़ाता है।
- **गुलाब जल:** त्वचा को ठंडक देता है, रिफ्रेशिंग फील देता है और रेडनेस कम करने में मदद करता है।
- **दूध:** स्किन को पोषण देता है और नेचुरल ग्लो लाने में सहायक होता है।

फेसपैक बनाने और लगाने का तरीका

सबसे पहले एक कटोरी में मुल्तानी मिट्टी लें। अब उसमें कद्दूकस किया हुआ टमाटर, थोड़ी कॉफी और शहद मिलाएं। जरूरत के अनुसार गुलाब जल और दूध डालकर स्मूद पेस्ट बना लें। चेहरे और गर्दन को अच्छे से साफ करें, फिर फेसपैक को समान रूप से लगाएं। 15–20 मिनट तक सूखने दें, बाद में सादे पानी से हल्के हाथों से धो लें। बाद में मॉइस्चराइजर और दिन में सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

कितनी बार इस्तेमाल करें?

इस फेसपैक को हफ्ते में एक बार इस्तेमाल करना काफी है। अगर आप इसे नियमित रूप से करीब 2–3 महीने तक अपनाते हैं तो स्किन टेक्सचर, फ्रेशनेस और ब्राइटनेस में फर्क नजर आने लगता है।

मौसम बदलने पर बच्चों को खूब देखभाल की जरूरत

मौसम बदलने पर बच्चों को खूब देखभाल की जरूरत होती है। क्योंकि इस दौरान बच्चे बहुत जल्दी सर्दी-जुकाम और बुखार की चपेट में आते हैं। ऐसे में उन्हें ज्यादा देख रेख की जरूरत होती है। अब ठंड धीरे-धीरे कम हो रही है और गर्मी का मौसम आने वाला है। इस बदलते मौसम में बच्चे बहुत जल्दी बीमार हो सकते हैं। अगर आपके बच्चे को जुकाम या खांसी हो रही है तो डॉक्टर की सलाह लेने के बाद कुछ घरेलू नुस्खों को अपना सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे कमाल के नुस्खे बता रहे हैं जिनका असर झट से दिखता है। जुकाम खांसी से निपटने के लिए देसी नुस्खे

देसी घी- बच्चे को अगर खांसी जुकाम है तो देसी घी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। समस्या से निपटने के लिए देसी घी को गर्म करें और फिर गुनगुन गर्म घी को बच्चे की छाती पर लगाएं। अच्छे से मलें और फिर छोड़ दें। ध्यान रखें बच्चे को घी लगाने से पहले अपने हाथ पर लगाकर चेक करें कि वह ज्यादा गर्म तो नहीं है।

जायफल- सर्दी-जुकाम से निपटने के लिए दादी-नानी का फेवरिट नुस्खा। दरअसल इस नुस्खे से बच्चे को खांसी-जुकाम में जल्दी आराम मिलता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए पत्थर के चकले पर थोड़ा सा पानी डालें और इसे अच्छे से घिस लें। जब इसका पेस्ट बन जाए तो एक चम्मच पर लें और फिर इसमें घी मिलाएं। मिक्स करने के बाद इसे गुनगुना गर्म करें और बच्चे की छाती पर लगाएं। इसे लगाने के बाद थोड़ी रुई को छाती पर लगा दें।

लहसुन और अजवायन- बच्चे को सर्दी खांसी से बचाए रखने के लिए दादी-नानी लहसुन-अजवायन का तेल बच्चे को लगाने की सलाह देती हैं। इसे बनाने के लिए सरसों के तेल में लहसुन की कुछ कलियां और अजवायन को डालें और फिर अच्छे से तेल को गर्म करें। जब तेल अच्छी तरह पक जाए तो फिर इसे गुनगुना होने पर बच्चे की छाती और तलवों पर लगाएं।

अजवायन पोटली- बच्चे की नाक बंद है तो उसे अजवायन की पोटली सुंघाएं। इसके अलावा तवे या प्रेस पर अजवायन की पोटली गर्म करें और हल्की गुनगुनी पोटली से बच्चे की छाती की सिकाई करें।

पेट को हल्का और दुरुस्त रखने के लिए ट्राई करें 5 हेल्दी जूस

पेट को हल्का और दुरुस्त रखने के लिए ट्राई करें 5 हेल्दी जूस। केला-दही, पपीता-अदरक, खीरा-पुदीना जैसी स्मूदी पाचन सुधारती हैं और गैस, ब्लोटिंग व भारीपन से राहत दिलाती हैं। जानिए कौन-सी जूस क्यों फायदेमंद है।

पपीता और अदरक जूस

पेट को हल्का फील कराना चाहते हैं, तो पपीते से बनी स्मूथ पी सकते हैं। पपीते में मौजूद पपेन एंजाइम भोजन को जल्दी पचाने में मदद करता है और साथ ही अदरक का कॉम्बिनेशन पेट की सूजन कम करेगा। इस जूस को भारी खाने के बाद पेट हल्का फील करने पर पी सकते हैं। अगर आपको कब्ज या फिर अपच की समस्या रहती है, तो भी आप पपीता और अदरक की स्मूदी पी सकते हैं।

सेब और ओट्स जूस

आप सेब के साथ ही ओट्स स्मूदी भी हल्के पेट के लिए चुन सकते हैं। सेब में घुलनशील फाइबर पेट को साफ करने में मदद करता है। बार-बार भूख या ब्लोटिंग महसूस होती है, तो आप सेब का छिलका हटाकर हल्की भुनी ओट्स के साथ मिक्स कर स्मूदी बना सकते हैं।

केला और दही की जूस

केला फाइबर से भरपूर होता है और दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन को दुरुस्त करने का काम करता है। केले को दही के साथ मिक्स कर टेस्टी स्मूदी बनाकर पिएं। सुबह खाली पेट या दोपहर के खाने के बाद इसे पिया जा सकता है।

फ्रेश मिंट किवी से बनाएं जूस

पुदीना पाचन तंत्र को ठंडक देता है और गैस की समस्या कम करता है। आप ताजी मिंट की पत्तियों को किवी के मिलाकर स्मूदी बनाएं और पिएं। इससे न सिर्फ पेट हल्का महसूस करेगा बल्कि ताजगी भी महसूस होगी। ऑयली खाना खाने के बाद इसे ट्राय कर सकते हैं।

अनानास और नारियल पानी जूस

पका हुआ अनानास पल्प को नारियल पानी के साथ मिलाकर टेस्टी स्मूदी तैयार करें। अनानास में ब्रोमेलिन एंजाइम होता है, जो डायजेशन को तेज करता है। वहीं नारियल पानी पेट को ठंडक देता है और डिहाइड्रेशन नहीं होने देता।

एक्सरसाइज के दौरान भूल जाते हैं सही ब्रीदिंग टेक्निक

एक्सरसाइज के दौरान सही ब्रीदिंग टेक्निक का पता होना जरूरी है। तभी रिजल्ट पॉजिटिव मिलते हैं। अक्सर लोग भूल जाते हैं कि कब सांस लेना और कब छोड़ना। जिसकी वजह से उनकी एक्सरसाइज खासतौर पर कोर वर्कआउट का सही इफेक्ट नहीं दिखता। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है कि ब्रीदिंग का सही क्रम भूल जाते हैं तो इस फिटनेस इंफ्लूएंसर की ट्रिक को याद कर लें। जिसकी मदद से आपको हमेशा याद रहेगा कि कब सांस लेनी है और कब छोड़नी है।

क्या है राइट ब्रीदिंग टेक्निक

जब भी कोर वर्कआउट कर रहे हों तो इनहेल और एक्सहेल करने का प्रोसेस मसल्स को रिलैक्स और एक्सपेंड करने के प्रोसेस में मदद करता है। जिससे सही रिजल्ट मिलते हैं। अब आप बार-बार भूल जाते हैं तो पायल के बताए इस तरीके को याद रखें।

बताया कैसे याद रहेगी ब्रीदिंग टेक्निक

जब आप एक्सरसाइज कर रहे हों तो कब सांस लेना है और छोड़ना है इसे याद करना भूल जाएं बल्कि बस इस एक रूल को याद रखें। इसे सरल भाषा में समझाते हुए उन्होंने बताया कि जब हम एक्सरसाइज करते हैं तो दो मूवमेंट होते हैं।

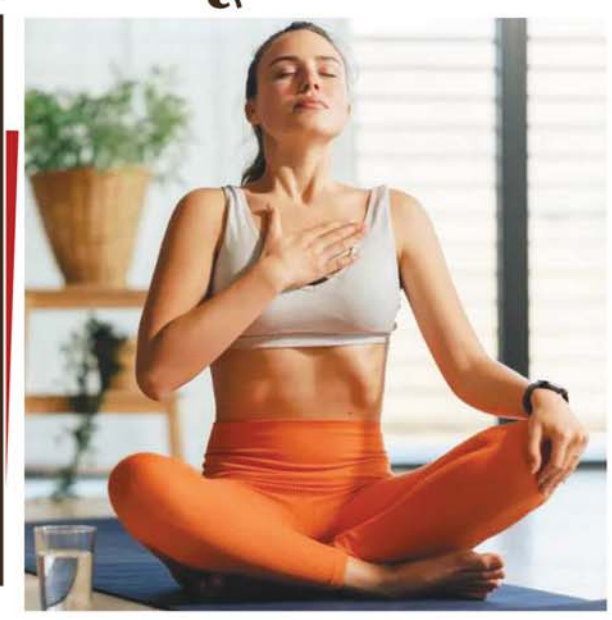

उदाहरण के लिए जब ग्लूट ब्रिज एक्सरसाइज करते हैं तो बट को लिफ्ट करना प्राइमरी मूवमेंट होता है और वापस नॉर्मल पोजीशन में जाना सेकेंडरी मूवमेंट या अपोजिट मूवमेंट होता है। इसी तरह से उदाहरण देते हुए समझाया कि टो टैप में भी प्राइमरी मूवमेंट टो को जमीन पर टैप करना है और वापस पोजीशन में आना सेंकेंडरी पोजीशन। तो बस सारी एक्सरसाइज को करते वक्त याद रखना है कि जब भी हम प्राइमरी मूवमेंट करते हैं तो हमें एक्सहेल करना है यानी कि सांस को छोड़ना है। वहीं जब सेकेंडरी मूवमेंट या अपोजिट मूवमेंट करते हैं तो इनहेल करना है यानि को दोबारा से सांस भरनी है। जब आप प्राइमरी मूवमेंट कर रहे हों तो सांस छोड़ते हुए कोर को इंगेज करते हैं। जिससे एक्सरसाइज ज्यादा इफेक्टिव होती है। तो अगली बार जब भी आप एक्सरसाइज कर रहे होंगे तो ब्रीदिंग टेक्निक को याद रखना ज्यादा आसान हो जाएगा।

खाने में लगाना है स्वाद का तड़का?

क्या आप भी अक्सर खाने में स्वाद की कमी महसूस करते हैं? सिंपल रोटी, दाल-चावल या सब्जियों का स्वाद कुछ समय बाद बोरिंग लगने लगता है। ऐसे में एक छोटा सा ट्विस्ट खाने के टेस्ट को दोगुना कर सकता है। इसके लिए घर पर बने अचार से बेहतर कुछ नहीं। खासकर, हरी मिर्च और हरे लहसुन का अचार, जो खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ ही सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसे बनाकर आप अपने रोजमर्रा के खाने को भी मजेदार और टेस्टी बना सकते हैं। आइए जानते हैं इसकी आसान रेसिपी।

अचार बनाने की रेसिपी

सामग्री

हरे लहसुन - 100 ग्राम,हरी मिर्च - 4-5 बारीक कटी हुई,सरसों का तेल - 1 चम्मच,सौंफ - 1 चम्मच, सरसों के दाने यानी राई - 1 चम्मच,जीरा - 1 चम्मच,कलौंजी - 1 चम्मच,सूखी लाल मिर्च - 2-3, कुकिंग ऑयल - 1 चम्मच, नींबू का रस - 1,नमक - स्वादानुसार

बनाने की आसान विधि

स्टेप 1: हरी मिर्च और हरे लहसुन की तैयारी

अचार बनाने के लिए सबसे पहले हरी मिर्च और हरे लहसुन को अच्छी तरह से पानी से धो लें। फिर इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में बारीक काट लें। अगर आप अचार को तीखा पसंद करते हैं, तो थोड़ी हरी मिर्च ज्यादा लें।

स्टेप 2: अचार का मसाला तैयार करें

हरी मिर्च और हरे लहसुन को काटने के बाद एक कढ़ाई लें और उसमें सरसों, जीरा, सौंफ, कलौंजी और सूखी लाल मिर्च डालकर अच्छी तरह से मीडियम आंच पर ब्राउन होने तक भूनें। जब मसाले सुनहरे नजर आने लगे और उनमें से खुशबू आने लगे तो गैस को बंद कर दें। इन मसालों को आप एक अलग कटोरी में निकाल लें। अब इन भुने हुए मसालों को मिक्सर में थोड़े से नमक के साथ अच्छी तरह पीस लें।

स्टेप 3 : मसालों को करें मिक्स

अचार को बनाने के लिए एक कटोरे में पिसा हुआ मसाला पाउडर के साथ कटी हुई लहसुन और हरी मिर्च को मिक्स करें। अब इसमें थोड़ा सरसों का तेल डालकर इन सभी को अच्छी तरह से चम्मच या हाथों से मिक्स कर लें।

स्टेप 4 : गर्म तेल में सभी सामग्री डालें

एक पेन में सरसों का तेल डालें और उसे थोड़ी देर मीडियम आंच पर गर्म होने दें। अब उसमें थोड़ा कुकिंग ऑयल भी डालें। तेल अच्छी तरह गर्म होने पर पेन में सभी सामग्री को डालें और उसे तेल के साथ अच्छी तरह से मिलाएं। अब आप इसके ऊपर से नींबू का रस डालकर स्वाद को बढ़ा सकते हैं।

स्टेप 5: सर्व करें

तैयार अचार को साफ और सूखे जार में डालें और ढक्कन बंद कर दें। जार हमेशा सूखा और साफ होना चाहिए। आपको इंस्टेंट अचार बनाकर तैयार है, जिसे आप रोटी, पराठा, दाल-चावल या स्नैक्स के साथ कभी भी खा सकते हैं।

सेहत के लिए सबसे खराब होते हैं ये 4 इंडियन ब्रेकफास्ट

सुबह का नाश्ता हमारे सेहत की दिशा तय करता है। ये हमे सेहतमंद बना सकता है या फिर बीमार। बहुत से लोग रोज सुबह अपने फेवरेट ब्रेकफास्ट खाते हैं, जो टेस्टी होते हैं, लेकिन शरीर के लिए ठीक नहीं माने जाते हैं। इन 4 नाश्ते को सुबह के खाने में बिलकुल टालना चाहिए क्योंकि इनमें पोषक तत्व कम और कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट ज्यादा होते हैं। इनमें फैट की मात्रा भी ज्यादा होती है।

सेवई उपमा (मैदे से बना उपमा)

मैदे से बने शेवया (एग नॉडल जैसे स्टाइल) में प्रोटीन, फाइबर और विटामिन बहुत कम होते हैं और ज़्यादातर कार्बोहाइड्रेट होते हैं। यह मधुमेह, वजन बढ़ने या ब्लड शुगर स्पाइक जैसी समस्याओं को बढ़ा सकता है। गर उपमा पसंद है तो गेहूं या बाजरी की शेवियों और सब्जियों के साथ बनाकर खाएं, ह अधिक हेल्दी विकल्प हो सकता है।

सेट डोसा (मैदे से)

मैदे के पिठे से बना डोसा शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं देता क्योंकि इसमें फाइबर, प्रोटीन और विटामिन की कमी होती है। रेफाइंड मैदा पाचन को धीमा और ब्लड शुगर को बिगाड़ सकता है, जिससे वजन भी बढ़ सकता है। इसके बजाय उडद दाल और चावल के पारंपरिक डोसे या मिलेट्स का उपयोग करें। ये हेल्दी नाश्ता हो सकता है।

सूजी का उपमा

रवा का उपमा भी सिर्फ कार्बोहाइड्रेट देता है और इसके खाने से ज्यादा पोषण नहीं मिलता। इस वजह से सुबह इसे खा कर आप जल्दी भूखे और सुस्त महसूस कर सकते हैं। बाजरा या गेहूं के रवे का उपयोग करें। सब्जियां ढेर सारी डालें, ताकि फाइबर और पोषक तत्व बढ़ जाए।

पूड़ी सब्जी

सुबह-सुबह ज्यादातर भारतीय को पूड़ी सब्जी खाना पसंद होता है। लेकिन इसमें तेल, कैलोरी और फैट की मात्रा ज्यादा होती है। रोज सुबह इसे खाने से वजन तेजी से बढ़ सता है। पाचन तंत्र प्रभावित हो सकता है।

आंखों में पड़ जाए मिर्ची, तो अपनाएं ये घरेलू उपाय

किचन में काम करते हुए अक्सर कभी तेल के छींटे पड़ जाते हैं तो कभी सब्जी में नमक-मिर्च डालते समय मिर्ची आंखों में लग जाती है। आंखों में मिर्ची लगने पर तेज जलन होती है, तो कई बार बर्दाश्त के बाहर हो जाती है। ऐसे में कुछ घरेलू और असरदार उपाय अपनाकर देखें।

1 घी :- घी वैसे तो खाने का स्वाद बढ़ाने का काम करता है लेकिन ये एक असरदार दवा जैसा भी है। नाभि पर लगाओ तो होठों के फटने की समस्या खत्म हो जाती है और मिर्ची लगने पर आंखों की जलन खत्म कर सकता है। घी की तासीर ठंडी होती है, ऐसे में अगर आंखों में जलन पड़ रही है, तो इसे पलकों के आस-पास लगाएं। इसकी ठंडक से जलन पड़ना बंद हो जाएगी। बस ध्यान रखें कि घी असली होना चाहिए।

2 शहद :- शहद स्वादिष्ट होता है, जिसे लोग ऐसे भी खा लेते हैं लेकिन शहद कई बीमारी का रामबाण इलाज भी माना जाता है। आयुर्वेद में शहद को खास महत्व दिया गया है। शहद भी आंखों की जलन को खत्म करने में मदद कर सकता है। अगर आंखों में मिर्ची में पड़ जाए तो शहद को नीचे वाली पलकों के पास लगाएं। इससे आंखों की जलन में फौरन राहत मिलेगी।

पीएचसी रामपुर में लापरवाही की 'सर्जरी'

संयुक्त संचालक के औचक निरीक्षण में खुलासा, नेत्र सहायक नदारद, सफाई में मिली भारी खामियां

अंबिकापुर/दुर्ग । नगर संवाददाता स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दावों के बीच शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) रामपुर की पोल खुल गई। संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने सुबह 10:50 बजे जब अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, तो वहां सन्नाटा और अव्यवस्था का आलम देख वे दंग रह गए। ड्यूटी से नदारद रहने वाले नेत्र सहायक का नोटिस जारी करने के साथ ही एक कर्मचारी का वेतन रोकने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

ड्यूटी से 'गायब' मिले अधिकारी, कई ने नहीं किए थे हस्ताक्षर

निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ी लापरवाही नेत्र सहायक अधिकारी लक्ष्मण टुडू की मिली, जो बिना किसी पूर्व सूचना के अस्पताल से अनुपस्थित थे।

संयुक्त संचालक ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए उन्हें तत्काल नोटिस थमाने के निर्देश दिए। वहीं, आशा कार्यकर्ता लोकनाथ सिंह की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए उनका वेतन रोकने का आदेश दिया गया। कई अन्य कर्मचारी अस्पताल में मौजूद तो थे, लेकिन उपस्थिति रजिस्टर में उनके हस्ताक्षर नहीं थे, जिन्हें फटकार लगाते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया है।

प्रसव कक्ष में गंदगी देख बिफरे संयुक्त संचालक

अस्पताल की स्वच्छता पर सवाल उठाते हुए डॉ. शुक्ला ने प्रसव कक्ष (लेबर रूम) और अस्पताल परिसर में पसरी गंदगी पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को दो टूक कहा कि मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही दवा वितरण केंद्र (डिस्पेंसरी) में स्टॉक और वितरण का रिकॉर्ड भी अधूरा पाया गया, जिसे व्यवस्थित करने की अंतिम चेतावनी दी गई।

अगली बार सुधार नहीं तो सीधा निलंबन

निरीक्षण के अंत में डॉ. शुक्ला ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों की क्लास ली। उन्होंने स्पष्ट लहजे में चेतावनी दी, ÷मरीजों से शालीन व्यवहार करें और समय पर ड्यूटी आएं। प्रसव और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की मासिक रिपोर्ट समय पर जमा होनी चाहिए। यदि अगली बार निरीक्षण में सुधार नहीं दिखा, तो नोटिस नहीं, बल्कि सीधे निलंबन (स्ह्वह्यश्चद्गठ्ठह्यद्बश्ठ्ठ) की कार्रवाई होगी।÷ उन्होंने अस्पताल में सूचनात्मक पोस्टर लगाने के भी निर्देश दिए ताकि मरीजों को योजनाओं की जानकारी मिल सके।

भिलाई में 'पिंक गश्त': अब मोहल्लों की सुरक्षा संभालेंगी महिलाएं, डीआईजी ने बैच और डंडा सौंपकर किया आगाह

भिलाई । भिलाई की गलियों और मोहल्लों में अब असामाजिक तत्वों और नशेडियों की खैर नहीं होगी। सामुदायिक पुलिसिंग को नया आयाम देते हुए पुलिस प्रशासन ने 'महिला आरक्षक दल' को मैदान में उतार दिया है। शनिवार को खुर्सीपार में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में डीआईजी विजय अग्रवाल ने इस विशेष अभियान का औपचारिक शंखनाद किया।

कार्यक्रम के दौरान डीआईजी ने महिला आरक्षक दल की सदस्यों को आधिकारिक बैच, सीटी और पुलिस डंडा सौंपकर उन्हें सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी। अब ये महिलाएं पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर गश्त करेंगी। इनका मुख्य उद्देश्य मोहल्लों में होने वाली छेड़छाड़, नशाखोरी और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखना है। मुख्य अतिथि डीआईजी विजय अग्रवाल ने कहा कि समाज में बढ़ती बुराइयों पर अंकुश लगाने के लिए केवल पुलिस काफी नहीं है, इसमें मातृशक्ति की भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि,हर वार्ड में 30 से 35 महिलाओं की सक्रिय टीम काम करेगी।पुलिस-जनता के बीच सेतुः यह दल आम नागरिकों और खाकी के बीच विश्वास की कड़ी बनेगा। डीआईजी ने जोर देकर कहा कि जब मोहल्ले की महिलाएं खुद संगठित होकर सड़कों पर उतरेंगी, तो अपराधियों और नशेडियों पर स्वतः ही मनोवैज्ञानिक दबाव बनेगा। इस पहल से न केवल अपराधों में कमी आएगी, बल्कि महिलाएं खुद को पहले से अधिक सुरक्षित और सशक्त महसूस करेंगी।

फाइलेरिया मुक्त सरगुजा की ओर बढ़ते कदमः संभाग के 11 लाख से अधिक लोगों ने ली दवा, 25 फरवरी तक चलेगा अभियान

अंबिकापुर। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सरगुजा संभाग में 'सामूहिक दवा सेवन' (MDA) अभियान युद्ध स्तर पर जारी है। इस अभियान के माध्यम से सरगुजा, सूरजपुर और जशपुर जिले के 18 विकासखंडों में पात्र जनसमुदाय को फाइलेरिया रोधी दवाएं खिलाई जा रही हैं। अब तक संभाग के तीनों जिलों में कुल 11,25,157 लोगों को दवा का सेवन कराया जा चुका है।

जिलेवार दवा सेवन के आंकड़ेः
सरगुजाः 4,46,573 लोग
जशपुरः 4,50,819 लोग
सूरजपुरः 2,27,765 लोग

छ्वह्रञ्ज पद्धति से दी जा रही दवा

संभागीय संयुक्त संचालक (स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. अनिल शुक्ला ने बताया कि यह अभियान

10 फरवरी से शुरू हुआ है जो 25 फरवरी 2026 तक चलेगा। अभियान में DOT (Directly Observed Treatment) पद्धति अपनाई जा रही है, यानी दवा प्रशासक के सामने ही दवा का सेवन कराया जा रहा है। इसमें 'ट्रिपल ड्रग थेरेपी' के तहत छ्वश्वष्ट, एल्बेन्डाजोल और आईवरमेक्टीन की सुरक्षित और प्रभावी दवाएं दी जा रही हैं।

निःशुल्क ऑपरेशन और किट वितरण

स्वास्थ्य विभाग न केवल बचाव बल्कि उपचार पर भी जोर दे रहा है। संभाग में हाथीपांव से पीड़ित मरीजों को घरेलू रोग प्रबंधन किट उपलब्ध कराकर उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके साथ ही, हाइड्रोसील से ग्रसित मरीजों का चिन्ह्रांकन कर उनका निःशुल्क ऑपरेशन भी कराया जा रहा है। डॉ. शुक्ला ने संभाग के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे स्वास्थ्य विभाग की टीम का सहयोग करें और दवा का सेवन कर सरगुजा संभाग को फाइलेरिया मुक्त बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

हादसों को न्योताः दुर्ग में 60 फीट की ऊंचाई पर बिना सेफ्टी बेल्ट और हेलमेट के काम कर रहे मजदूर, जिम्मेदार मौन

दुर्ग। बिजली विभाग की लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी शनिवार को उस वक्त उजागर हुई, जब 33 केवी लाइन के मेंटेनेंस के दौरान मजदूरों की जान जोखिम में डालकर काम कराया गया। आधे शहर की बिजली गुल कर चल रहे इस कार्य में सुरक्षा संसाधनों का भारी अभाव दिखा, जिससे किसी भी वक्त बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

न हेलमेट, न दस्तानेः मौत से खेल रहे कर्मचारी

33 केवी लाइन में कैप केबल लगाने के दौरान नियम-कानूनों की जमकर धज्जियां उड़ाई गईं। करीब 40 से 60 फीट ऊंचे खंभों पर मजदूर बिना सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट और दस्तानों के चढ़कर काम करते नजर आए। चौंकाने वाली बात यह है कि मौके पर विभाग के अधिकारी मौजूद थे, लेकिन उन्होंने इस जानलेवा लापरवाही को रोकने की जहमत नहीं उठाई।

जिम्मेदारी का खेल

जब सुरक्षा में इस बड़ी चूक पर सवाल उठाए गए, तो बिजली विभाग के अधिकारियों ने पल्ला झाड़ते हुए पूरी जिम्मेदारी ठेकेदार पर डाल दी। वहीं, ठेकेदार ने अपने बचाव में मजदूरों को ही लापरवाह बताते हुए कहा कि उन्हें संसाधन दिए गए थे लेकिन उन्होंने पहने नहीं। इस आरोप-प्रत्यारोप के बीच सवाल यह उठता है कि यदि काम के दौरान कोई बड़ा हादसा हो जाता, तो उसका जिम्मेदार कौन होता?

सवालों के घेरे में सुरक्षा मानक

तस्वीरें साफ बयां कर रही हैं कि सुरक्षा के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। क्या विभाग और प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं? मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना ठेकेदार और विभाग दोनों की वैधानिक जिम्मेदारी है, लेकिन दुर्ग में इसे ताक पर रख दिया गया है।

अब देखना यह है कि क्या उच्च अधिकारी इस लापरवाही पर संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे या फिर अगली बार भी मजदूरों की जान इसी तरह दांव पर लगाई जाएगी।

न्यू प्रेस क्लब ऑफभिलाई नगर के चुनाव 2026-28 की घोषणा,1 मार्च को होगा मतदान

भिलाई। न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर के द्विवार्षिक चुनाव (2026-28) का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। चुनाव समिति ने सदस्यता नवीनीकरण से लेकर मतदान एवं मतगणना तक की पूरी समय-सारिणी जारी की है। सभी सदस्यों से निर्धारित तिथियों में प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की गई है।

सदस्यता नवीनीकरण

20 से 22 फरवरी तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 8:30 बजे तक सदस्यता नवीनीकरण किया जाएगा। नवीनीकरण शुल्क 60 रुपये निर्धारित है। सदस्यता नवीनीकरण 22 फरवरी की रात्रि 8:30 बजे तक ही मान्य होगा।

नामांकन प्रक्रिया

विभिन्न पदों एवं कार्यकारिणी के लिए आवेदन पत्र 23 एवं 24 फरवरी को वितरित किए जाएंगे। नामांकन पत्र 25 फरवरी की रात्रि 8:30 बजे तक जमा किए जा सकेंगे। निर्धारित समय के बाद प्राप्त आवेदन स्वतः निरस्त माने जाएंगे।

प्रत्येक पद के लिए नामांकन पत्र के साथ निर्धारित शुल्क उसी समय जमा करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक नामांकन में दो प्रस्तावक एवं दो समर्थक आवश्यक होंगे।

नाम वापसी व प्रत्याशियों की घोषणा

नाम वापसी की अंतिम तिथि 27 फरवरी 2026 की रात्रि 8:30 बजे तक निर्धारित की गई है। स्क्रूटनी के उपरांत वैध प्रत्याशियों की सूची 27 फरवरी की रात्रि 8:30 बजे के बाद घोषित की जाएगी।

मतदान एवं मतगणना

मतदान 1 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रेस क्लब भवन, नेहरू रोड, सुपेला में होगा। मतगणना उसी दिन भोजनावकाश के बाद अपराह्न 3 बजे से प्रारंभ की जाएगी।

नामांकन शुल्क

अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष ङ्क 5000 रुपये

उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, कार्यालय सचिव एवं अन्य पद ङ्क 2000 रुपये

कार्यकारिणी सदस्य - 1000 रुपये

नाम वापसी या चुनाव परिणाम के पश्चात नामांकन शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

रिक्त पद

अध्यक्ष (1), वरिष्ठ उपाध्यक्ष (1), उपाध्यक्ष (2), महासचिव (1), सचिव (2), कोषाध्यक्ष (1), सहसचिव (1), कार्यालय सचिव (1) एवं कार्यकारिणी सदस्य (6) पदों के लिए चुनाव होंगे।चुनाव समिति ने स्पष्ट किया है कि चुनाव संबंधी प्रक्रिया में समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। समिति में अशोक पंडा, अरविंद सिंह, रमेश गुप्ता, संतोष मिश्रा, संतोष तिवारी एवं मिथलेश ठाकुर शामिल हैं। समिति ने सभी सम्मानित सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा की है, ताकि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

डेस्टिनेशन इंग्लिश मीडियम स्कूल जांजगीर के बच्चो ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय और साइबर थाना का किया शैक्षणिक भ्रमण

जांजगीर -चांपा। डेस्टिनेशन इंग्लिश मीडियम स्कूल जांजगीर के क्लास 6 से क्लास 11 वी के बच्चो ने 20 फरवरी को किया शैक्षणिक भ्रमण । जिले के ऊर्जावान पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय सर ने बच्चो को पुलिस कार्यालय से संबंधित सभी कार्यो के बारे में जानकारी दी । पुलिस अधीक्षक सर ने कंट्रोल रूम से जिले के अन्य थानों को निर्देश देना और कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से कैसे संचालित किया जाता है इसको लेकर स्कूल के बच्चो को जानकारी दी । बच्चो ने अधीक्षक महोदय से अधिकारी कैसे बनते है इसको लेकर सवाल किये, अधीक्षक सर ने बच्चो को सतत् परिश्रम करते रहने की सीख दी । बच्चो को अंत में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप सर ने भविष्य में करियर से जुड़े विकल्पों के बारे में बच्चो को जागरूक किया , बच्चो ने कश्यप सर से मिलिट्री, नेवी, और एयर फोर्स सेवाओं से जुड़े हुए सवाल किये और कश्यप सर ने बच्चो का हौसला बढ़ाया और उनका मार्गदर्शन किया । साइबर थाने में थाने के निरीक्षक श्री सागर पाठक जी ने बच्चो को साइबर अपराध से जुड़ी जानकारी साझा की और बच्चो को सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक से दूर रहने के लिए मार्गदर्शन किया । इस शैक्षणिक भ्रमण में संस्था प्रमुख रवि शंकर निर्मलकर, उप प्राचार्य श्रीमती श्रद्धा निर्मलकर संस्था के शिक्षक शिवम सर,आशीष सर ,संजय सर, मनीष सर, मनीष देवांगन सर, सुशीला मैडम, वर्षा मैडम, राजेश्वरी मैडम, प्रतीक्षा मैडम, बाबा भैया, दिनेश सर ने भी बच्चो का मार्गदर्शन किया ।

दुर्ग पुलिस लाइन में योग और मानसिक स्वास्थ्य शिविरः स्वामी शिवध्यानम सरस्वती ने सिखाए तनाव मुक्ति के गुर

दुर्ग। पुलिसकर्मियों की शारीरिक सुदृढ़ता और मानसिक संतुलन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज पुलिस लाइन, दुर्ग स्थित उद्यान में एक विशेष योग शिक्षा एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सत्र में विश्व प्रसिद्ध बिहार स्कूल ऑफ योगा, मुंगेर के अध्यक्ष स्वामी शिवध्यानम सरस्वती मुख्य वक्ता और प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे।तनाव नियंत्रण और सकारात्मक दृष्टिकोण पर जोर स्वामी शिवध्यानम सरस्वती ने पुलिस बल को संबोधित करते हुए कहा कि कठिन ड्यूटी और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए योग एक अचूक अस्त्र है। उन्होंने नियमित योगाभ्यास, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से तनाव नियंत्रण और दैनिक जीवन में अनुशासन के महत्व पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में लगभग 100 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और योग की बारीकियों को समझा।

इन अधिकारियों की रही सराहनीय भूमिका-

इस सफल आयोजन के समन्वय में उप पुलिस अधीक्षक (लाइन) चन्द्र प्रकाश तिवारी, रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा, उप निरीक्षक संजय देवांगन एवं लाइन स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही।

//दुर्ग पुलिस की अपील//

दुर्ग पुलिस ने अपने सभी अधिकारी-कर्मचारियों से अपील की है कि वे नियमित योग और स्वस्थ जीवनशैली को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

स्वस्थ शरीर और शांत मन न केवल व्यक्तिगत जीवन के लिए सुखद है, बल्कि इससे कर्तव्य निर्वहन में दक्षता और अनुशासन भी बना रहता है।

स्वास्थ्य समाज की ओर बढ़ते कदमः वीरा के अंगना में उमड़ा जनसैलाब, 200 से अधिक लोगों की हुई मुफ्त जांच

भिलाई। कोहका क्षेत्र में रविवार को सामाजिक सेवा की एक अनूठी मिसाल देखने को मिली। सर्व समाज कल्याण समिति द्वारा 'वीरा सिंह के अंगना' में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुँचाना रहा।

12 गंभीर बीमारियों की हुई जांच- शिविर में सुबह से ही लोगों का आना शुरू हो गया था। इस दौरान विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा शुगर, अस्थमा, ब्लड प्रेशर (क्चक्क), पथरी और एचआईवी (॥ढ्ढङ्क) जैसी 12 विभिन्न प्रकार की बीमारियों की गहन जांच की गई। आंकड़ों के मुताबिक, क्षेत्र के 200 से अधिक नागरिकों ने इस शिविर का लाभ उठाया और अपनी सेहत का परीक्षण कराया।

परामर्श के साथ दवाइयां भी मुफ्त-जांच के बाद मरीजों को केवल परामर्श ही नहीं दिया गया, बल्कि डॉक्टरों की पर्ची के आधार पर निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर में आए लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से उन बीमारियों का भी समय पर पता चल जाता है, जिन्हें लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

समाज सेवा ही मुख्य लक्ष्य-
सर्व समाज कल्याण समिति का उद्देश्य एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। ऐसे शिविर न सिर्फ बीमारियों की समय रहते पहचान में मदद करते हैं, बल्कि लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाते हैं। हम भविष्य में भी ऐसे जनहितैषी कार्य जारी रखेंगे।÷

— इंद्रजीत सिंह छोटू,
अध्यक्ष, सर्व समाज कल्याण समिति

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com